卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 99 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦14 जनवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने को सरकार प्रतिबद्ध: धामी

मुख्यमंत्री ने खटीमा में 33.36 करोड़ के नौ विकास कार्यों का किया लोकार्पण व शिलान्यास

खटीमा(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह ने बुधवार मकर संक्रांति के दिन खटीमा में जिला विकास प्राधिकरण द्वारा 11 करोड़ 27 लाख 50 हजार की धनराशि से नवनिर्मित हाईटेक राजस्व निरीक्षक व उपनिरीक्षक के आवासीय भवनों व 359.91 लाख की लागत से उपनिरीक्षकों के कार्यालय भवनों, खटीमा में ग्राम मझोला में झील से लेकर पॉलिगंज की ओर 225.62 लाख की लागत से खटीमा में हाईटेक शौचालय निर्माण एवं 95 लाख की लागत से थारू इंटर कॉलेज खटीमा का पुन:निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री ने सौंदर्यीकरण कार्य व नानकमत्ता विधान सभा के अंतर्गत सोनूखरी-किशनपुर-बरकीडांडी-कैथुला-टुकड़ी मार्ग का हॉटमिक्स सड़क की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते

महाराणा प्रताप बस स्टेशन, नगर पालिका के वार्ड नंबर 7 व 8 में 48.45 लाख की धनराशि से निर्मित पेयजल नलकूप, ओवर हेड टेंक, पाईप लाईन कार्यों, विधानसभा क्षेत्र नानकमत्ता के अंतर्गत 490.21 लाख की धनराशि से लाख की लागत से नाला निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा खटीमा क्षेत्र में 499.65 लाख की लागत से 300 नग हेंडपम्प स्थापना कार्य, 29.65 लाख की लागत से खटीमा के नवनिर्मित बस अड्डे में महाराणा प्रताप द्वार निर्माण, 24.50 नानकमत्ता में बाला जी मंदिर के सौंदर्यीकरण, नानकमत्ता विधानसभा के अंतर्गत ब्राह्मदेव मंदिर लोहिया पुल खटीमा में सौंदर्यीकरण व पुन:निर्माण कार्य, नानकमत्ता विधानसभा के अंतर्गत देवभूमि धर्मशाला में कक्ष, हॉल एवं हुए कहा कि आज का ये दिन मेरे लिए अत्यंत विशेष है, क्योंकि आज मुझे मकर संक्रांति और घुघुतिया पर्व के पावन अवसर आप सभी के सानिध्य में 11 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित इस हाईटेक (शेष पृष्ठ सात पर)

जनता के अभूतपूर्व स्वागत के आगे नतमस्तक हुए सीएम धामी

खटीमा। नगर में नव निर्मित महाराणा प्रताप हाईटेक बस स्टेशन के लोकार्पण कार्यक्रम में बुधवार को ऐसा जनसैलाब उमड़ा जिसने पूरे आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के स्वागत में जनता उत्साह और जोश से सराबोर दिखाई दी। लोकार्पण स्थल पर जैसे ही मुख्यमंत्री धामी पहुंचे, लोगों ने "धाकड़ धामी जिंदाबाद", "मुख्यमंत्री धामी का स्वागत है" जैसे गगनभेदी नारों से माहौल को

रोमांचित कर दिया। जगह- जगह खड़े युवा, महिलाएं और बुजुर्ग मुख्यमंत्री का स्वागत करने को उतावले नजर आए और मोबाइल कैमरों से लाइव वीडियो बनाते हुए लगातार नारेबाजी करते रहे। भीड़ के जोश और (शेष पृष्ठ सात पर)

घायल को देख रुकना पड़ा भारी

बदमाशों ने युवक पर चाकू से किया हमला

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। सिडकुल क्षेत्र में मानवता दिखाना एक युवक के लिए उस वक्त भारी पड़ गया, जब सड़क किनारे घायल पड़े व्यक्ति को देखने के लिए रुकने पर तीन अज्ञात बदमाशों ने उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। युवक ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सतेन्द्र गंगवार पुत्र धरमपाल गंगवार, निवासी घोड़ा नगला (बिन्दुखत्ता, लालकुआं) ने कोतवाली ट्रांजिट कैंप में दी तहरीर में बताया कि वह 12 जनवरी 2026 को सिडकुल स्थित ग्रीन प्लाई फैक्ट्री में नौकरी के संबंध में आया था। रात करीब 8:00 बजे जब वह लेबर ढाल स्थित परशुराम चौक के पास से अपने घर वापस जा रहा था, तभी उसे सड़क किनारे एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा हुआ दिखाई दिया। सतेन्द्र ने बताया कि उसने मानवता के नाते उस व्यक्ति की मदद करने की सोची और स्थिति देखने के लिए अपने मोबाइल की टॉर्च जलाई। इसी दौरान पीछे से आए तीन अज्ञात बदमाशों ने उस पर जान से मारने की नियत से चाकुओं से हमला बोल दिया। इस अचानक हुए हमले में सतेन्द्र को शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें आईं। वह लहूलुहान हालत में वहां से जान बचाकर भागा। हमले के बाद पीड़ित ने ट्रांजिट कैंप थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है और क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

कड़ाके की ठण्ड में गंगा घाटों पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

हरिद्वार (उद संवाददाता)। सूर्य के उत्तरायण होने के महापर्व 'मकर संक्रांति' का आगाज बुधवार को भीषण ठंड और घने कोहरे के बीच पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। हाड़ कंपाने वाली शीत लहर के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था भारी पड़ी और तड़के से ही हर की पैड़ी सहित गंगा के तमाम घाटों पर स्नान, दान और पूजा-अर्चना का सिलसिला शुरू हो गया। उत्तराखंड की सांस्कृतिक परंपरा के अनुसार, विभिन्न क्षेत्रों से देव डोलियों को ढोल और दमाऊं की पारंपरिक थाप के बीच गंगा तट पर लाया गया, जहां उन्हें विधि-विधान से पवित्र स्नान कराया गया। इस वर्ष मकर संक्रांति का महत्व ज्योतिषीय दृष्टि से और भी बढ़ गया है, क्योंकि पूरे 23 वर्षों के बाद संक्रांति और षटतिला एकादशी का एक ही दिन पड़ने का दुर्लभ संयोग बना है। नारायण ज्योतिष संस्थान के ज्योतिषाचार्य विकास जोशी ने बताया कि बुधवार

दोपहर 3 बजकर 7 मिनट पर सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश करेंगे। शास्त्रों में उत्तरायण काल को शुभ कार्यों के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इस पावन अवसर पर पवित्र नदियों में स्नान, सूर्य को अर्घ्य और दान करने से अनंत गुना फल प्राप्त होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन सुबह 7 बजकर 31 मिनट से रात 3 बजकर 4 मिनट तक सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का प्रभाव रहेगा। इसके साथ ही चतुर्ग्रही योग और वृद्धि योग का निर्माण होने से इस दिन की शुभता और अधिक बढ़ गई है। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि 23 साल बाद बने इस विशेष योग में किया गया पुण्य कार्य अक्षय फलदायी होता है। श्रद्धालुओं ने सुबह से ही भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा करने के पश्चात सूर्य नारायण को अर्घ्य दिया। गंगा घाटों पर विशेष आरती का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने भाग लिया। इस महापर्व पर तिल, गुड़, कंबल, वस्त्र और अनाज के दान का विशेष महत्व रहा। ज्योतिषविदों ने इस दिन आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने की विशेष सलाह दी है, जिससे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आरोग्य की प्राप्ति होती है। भीषण ठंड के बीच प्रशासन द्वारा भी घाटों पर सुरक्षा और सुविधा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

दो नर्सिंग होम के कर्मचारी भिड़े, जमकर चले लाठी-डंडे

मंगलवार रात हुआ खूनी संघर्ष,कई घायल

रुड़की (उद संवाददाता)। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के सुनहरा रोड पर स्थित दो निजी अस्पतालों के कर्मचारियों के बीच मंगलवार रात जबरदस्त खूनी संघर्ष हो गया। मरीज को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाने को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुनहरा रोड पर कैलाश अस्पताल और आशा नर्सिंग होम आमने-सामने स्थित हैं। बताया जा रहा है कि एक महिला नर्स इन दोनों ही नर्सिंग होम में अपनी सेवाएं देती है। मंगलवार की रात उक्त नर्स कैलाश नर्सिंग होम से एक महिला मरीज को बेहतर उपचार के बहाने आशा नर्सिंग होम ले गई। जैसे ही कैलाश अस्पताल के प्रबंधन और कर्मचारियों को इस बात की भनक लगी कि उनकी मरीज को दूसरे अस्पताल शिफ्ट कर दिया गया है, वे आपा खो बैठे।विवाद की शुरुआत तब हुई जब कैलाश नर्सिंग होम के दर्जनों

कर्मचारी आक्रोशित होकर आशा नर्सिंग होम पहुंच गए। वहां दोनों पक्षों के बीच पहले तीखी नोकझोंक हुई और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों तरफ से लाठी-डंडे और धारदार चीजें निकल आईं और अस्पताल परिसर रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। इस मारपीट में दोनों अस्पतालों के कई कर्मचारियों को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। अस्पताल जैसी संवेदनशील जगह पर हुई इस गुंडागर्दी से वहां भर्ती अन्य मरीजों और उनके तीमारदारों में भी दहशत फैल गई। घटना की सूचना पाकर गंगनहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस के आने से पहले ही हमलावर वहां से खिसक चुके थे। हालांकि इस मामले में बुधवार दोपहर तक किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस को लिखित तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है और तहरीर मिलने पर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

आंगन में कार बैक करते समय मासूम पर चढ़ा पहिया

पिता की आंखों के सामने बुझ गया घर का चिराग

हरिद्वार(उद संवाददाता)। जनपद के झबरेड़ा क्षेत्र से एक ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। यहां एक पिता की मामूली सी चूक और अनजाने में हुई लापरवाही के कारण उनके चार वर्षीय मासूम बेटे की कार के नीचे दबकर दर्दनाक मौत हो गई। इस भीषण हादसे के बाद हंसते-खेलते परिवार में मातम पसर गया है और माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, झबरेड़ा निवासी रवि कुमार पेशे से चालक हैं और किराए पर कार चलाने का कार्य करते हैं। मंगलवार देर शाम को रवि अपनी ड्यूटी पूरी कर घर लौटे थे और अपनी कार को घर के आंगन में खड़ा करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान जब वह कार को सावधानीपूर्वक पीछे (बैक) कर रहे थे, तभी घर के भीतर खेल रहा उनका चार वर्षीय बेटा अचानक दरवाजा खोलकर बाहर

निकल आया। अबोध बालक को खतरे का अंदाजा नहीं था और वह दौड़कर कार के ठीक पीछे जाकर खड़ा हो गया। कार के भीतर होने और अंधेरा होने के कारण रवि को इस बात का आभास बिल्कुल नहीं हुआ कि उनका बेटा वाहन के पीछे आ चुका है। जैसे ही उन्होंने कार की रफ्तार बढ़ाई, मासूम बच्चा पिछले पहिए की चपेट में आ गया। बच्चे की चीख सुनते ही रवि के हाथ-पांव फूल गए और उन्होंने तत्काल वाहन को आगे किया। आनन-फानन में बच्चे को पहिए के नीचे से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सिर और छाती पर गंभीर चोट आने के कारण मासूम ने पिता की गोद में ही दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक हादसे की खबर फैलते ही पूरे मोहल्ले में सन्नाटा पसर गया और रवि के घर में कोहराम मच गया। जिस पिता ने दिनभर मेहनत कर अपने परिवार की खुशियों के लिए कमाई की, उसी के हाथों अनजाने में हुए इस हादसे ने उसकी दुनिया उजाड़ दी।

घुघुतिया त्यार में बिखरी पर्वतीय संस्कृति की छटा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच हीरानगर के प्रांगण में आयोजित घुघुतिया त्यार समारोह के सातवें दिन मंगलवार को कुर्सी दौड़, ऐपण प्रतियोगिता बेबी शो का आयोजन किया। जबकि मुख्यमंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। सांस्कृतिक संध्या में मेघना चंद्रा और कैलाश कुमार ने अपने गीतों से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। सांस्कृतिक संध्या में शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मंगलवार को कुर्सी दौड़, ऐपण प्रतियोगिता और बेबी शो का आयोजन किया गया। कुर्सी दौड़ बालक सीनियर वर्ग में कृष्णा बख्शी प्रथम, दीपक जोशी द्वितीय और वेदांश तृतीय स्थान पर रहे। जूनियर वर्ग में दक्ष गर्ग प्रथम, उज्जवल द्वितीय और कार्तिक भट्ट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि महिला ओपन वर्ग में तनुजा तिवारी ने पहला, तारा बिष्ट ने दूसरा और हेमा बिष्ट ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका सीनियर वर्ग में वैष्णवी भंडारी विजेता रही। जबकि साक्षी पुनेठा ने दूसरा और ईव श्रीवास्तव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता में बीना भट्ट प्रथम, मैत्री पाण्डे द्वितीय और डिम्पल तृतीय स्थान पर रहीं। सीनियर वर्ग की ऐपण प्रतियोगिता में ललिता पाठक ने पहला, रेखा जोशी ने दूसरा, रेनू रतूड़ी ने तसरा स्थान प्राप्त किया जबकि कविता भाकुनी को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता में हरशू प्रथम, मुस्कान प्रसाद द्वितीय और चंदन सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 1-2 वर्ष आयु वर्ग के बेबी शो में सात्विका नेगी को पहला, प्रशांत जोशी को दूसरा और हृदयांशी को तीसरा स्थान जबकि 2-3 वर्ष आयु वर्ग की प्रतियोगिता में खुशांत सलाल और आरती बिष्ट को प्रथम, कीर्ति भंडारी और चार्वी मेलकानी को द्वितीय व वेदश्री जोशी व श्रीनिका तिवारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। शाम को सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष आनंद सिंह दरम्वाल, दर्जा राज्यमंत्री रेनू अधिकारी और नवीन चंद्र वर्माने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके बाद सांस्कृतिक संध्या में मेघना चंद्रा और कैलाश कुमार ने अपने सुरों का जादू बिखेरा। मेघना चंद्रा ने गिटार बजी छे, हिट मधुली उतरैणी कौतिक, इंटर में फेल आदि गीत सुनाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कैलाश कुमार ने भी रंगीलो मुलुक मेरो, कमर कस और एगो चेतो मैना सुनाकर खूब तालियां बटोरी। इस मौके पर मंच के संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर, अध्यक्ष खड़क सिंह बगड़वाल, गोपाल सिंह बिष्ट, देवेंद्र तोलिया, त्रिलोक बनोली, कैलाश जोशी, हेम भट्ट, शोभा बिष्ट, चंद्रशेखर परगाई, भुवन जोशी, नीरज बगड़वाल, ललित बिष्ट, धर्म सिंह बिष्ट, ब्रज मोहन बिष्ट, संदीप भैंसोड़ा, कमल किशोर, रितिक आर्य, तरुण नेगी, पार्षद मनोज जोशी, पार्षद शैलेंद्र दानू, रत्ना श्रीवास्तव, पुष्पा सम्भल आदि मौजूद थे।

बिंदुखत्ता के युवक का दमुआढुंगा के जंगल में शव बरामद

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। बिंदुखत्ता लालकुआं निवासी एक युवक का मंगलवार को दमुआढुंगा के जंगल में शव पाए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण कर शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाऊस भिजवाया।मूल रूप से बिंदुखत्ता निवासी 23 वर्षीय युवक अपनी बहन के घर दमुवादूंगा गया था। जहां से वह सोमवार दोपहर से लापता हो गया था। मंगलवार को काठगोदाम थाना क्षेत्र के ओखलढुंगा के जंगल किनारे एक गधेरे में युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक की पहचान 23 वर्षीय प्रवीण आर्य पुत्र निवासी लालकुआं बिंदुखत्ता के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रवीण रेलवे में रुद्रपुर में तैनात था। वह तीन भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था। एक सप्ताह पूर्व वह बहन के घर हल्द्वानी के दमुवादूंगा आया हुआ था। काठगोदाम थाना प्रभारी विमल मिश्रा ने बताया कि प्रवीण सोमवार को दोपहर करीब 12 बजे बाइक लेकर घर से निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काठगोदाम थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस द्वारा जांच शुरू की गई तो युवक की जैकेट काठगोदाम हैड़ाखान मार्ग पर मिली। इसके बाद सर्च अभियान चलाया गया, जिसमें घटनास्थल से लगभग दो किलोमीटर दूर सड़क किनारे उसकी बाइक बरामद हुई। सघन तलाशी के दौरान ओखलढुंगा के जंगल किनारे गधेरे में युवक का शव मिला। मौके से गेहूं में डालने वाले कीटनाशक सल्फास के चार खाली पाउच और एक कोल्ड ड्रिंक की बोतल भी बरामद हुई है। उन्होंने बताया प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

जयनगर में उत्तरायणी महोत्सव भव्यता के साथ संपन्न

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। सीएनजी पेट्रोल पंप के निकट, जयनगर नम्बर 04 में उत्तरायणी महोत्सव हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस भव्य महोत्सव का आयोजन पर्वतीय युवा शक्ति समिति के तत्वाधान में किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम अध्यक्ष भैरव नाथ टम्टा एवं रंदीप सिंह पोखरिया द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से किया गया। उद्घाटन उपरांत विद्यालयी बच्चों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रारंभ हुईं। जिसने वहां पर उपस्थित सभी दर्शकों का मन मोह लिया।इसके पश्चात बारोंमासा फिल्म प्रोडक्शन के कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का निर्देशन एवं लोकगायन बिशन सिंह हरियाला ने किया। महोत्सव के मुख्य अतिथि अरविंद पांडे विधायक, गदरपुर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भैरव नाथ टम्टा ने की। विशिष्टअतिथि में गुंजन सुखीजा, रंदीप पोखरिया, रविन्द्र पाल सिंह जी, जगदीप सिंह विर्क उपस्थित रहे। मंच पर प्रस्तुति देने वाले कलाकारों में आशा नेगी,नवीन पाठक,कल्पना सानी रावत शामिल थे।वहीं एंकर एवं हास्य कलाकार श्रीमती हिना नेगी, शिबू रावत सहित अन्य कलाकारों ने अपनी प्रभावशाली मंच प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह का भरपूर मनोरंजन किया। उत्तरायणी महोत्सव का यह आयोजन पर्वतीय युवा शक्ति समिति द्वारा अध्यक्ष कुंवर सिंह नेगी के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

समिति के महासचिव धीरजकुमार एवं कोषाध्यक्ष ठाकुर सिंह,चंदन सिंह देव, सुरेश जोशी, पूरन सिंह मलवाल, भुवन चंद्र पांडे, करन मेहरा, ईश्वर सिंह, दीपक जोशी, आयोजक समिति सेकुंदन सिंह भंडारी, नरेश गुसाईं, प्रवीण सिंह राणा,कुंदन मेहता एवं समस्त कार्यकारिणी व आयोजक समिति का सक्रिय योगदान रहा।आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, कलाकारों, समिति सदस्यों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

ग्रामीणों ने रुद्रपुर विद्युत कार्यालय पर किया प्रदर्शन

रुद्रपुर/गदरपुर। मजराशीला में आबादी के ऊपर से गुजर रही 11000 के वी विद्युत लाइन एक बार फिर हादसे का कारण बनी। विद्युत लाइन की चपेट में आने से पांच साल का मासूम बच्चा गंभीर रूप से झुलस गया, जिससे गांव में आक्रोश फैल गया। घटना के विरोध में ग्रामीणों ने प्रधान प्रतिनिधि हारिश के साथ रुद्रपुर में नवोदय विद्यालय के पास स्थित विद्युत कार्यालय पर पहुंचकर रोष प्रकट किया। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्षों से गांव के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज लाइन को हटाने की मांग की जा रही है, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रदर्शनकारियों ने झुलसे हुए बच्चे के इलाज के लिए तत्काल मुआवजा देने की मांग की। प्रधान प्रतिनिधि हारिश ने बताया कि इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया है, जिसमें गांव मजरा शीला में आबादी के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन को शीघ्र स्थानांतरित कराने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि पहले भी इसी लाइन से कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन विभाग की उदासीनता के चलते समस्या जस की तस बनी हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विद्युत विभाग ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो ग्रामीण मजबूरन आंदोलन करेंगे। वहीं मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने यूपीसीएल को पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। प्रदर्शन में गांव की महिलाएं, बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में शामिल रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

व्यापार मण्डल की जिला कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

हल्द्वानी । प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला नैनीताल की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है।प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता की संस्तुति पर जिला महामंत्री हर्ष वर्द्धन पांडे द्वारा

कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नैनीताल के प्रमुख व्यवसायी कुंदन सिंह बिस्ट को जिला उपाध्यक्ष, विवेक वर्मा को जिला संयुक्त महामंत्री, हिमांशु जोशी को जिला संगठन मंत्री मनोनीत किया। इनके मनोनय पर कार्यकारी जिलाध्यक्ष जगदीश बवाड़ी, निवर्तमान नगर अध्यक्ष मल्लीताल किशन नेगी, तल्लीताल अध्यक्ष मारुति नंदन साह, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश डोंडियाल, जिला संरक्षक जीत सिंह आनंद,प्रांतीय सह चुनाव अधिकारी रवैल सिंह आनंद,सहित समस्त पदाधिकारियों ने बधाई दी।नवमनोनित पदाधिकारियों द्वारा समस्त जिला पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन के संविधान के अनुसार संगठन हितों हेतु कार्य करने का भरोसा जताया।

आठ साल से फरार 15 हजार का इनामी हरिद्वार से गिरफ्तार

मासूम के अपहरण के बाद पहचान छिपाकर चला रहा था रिक्शा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देशन में जनपद पुलिस ने अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। ट्रांजिट कैंप थाना पुलिस ने वर्ष 2017 से नाबालिग के अपहरण मामले में वांछित चल रहे 15 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को हरिद्वार से धर दबोचा है। पकड़ा गया आरोपी पिछले आठ वर्षों से पुलिस को चकमा देकर अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। मामले के अनुसार 28 मई 2017 को ट्रांजिट कैंप निवासी नन्हूकी प्रसाद ने तहरीर देकर बताया था कि उनकी आठ वर्षीय पुत्री हिमांशी को सुनील उर्फ अनिल नामक व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने इस संबंध में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। विवेचना के दौरान अभियुक्त अनिल उर्फ पप्पू पुत्र घासीराम के विरुद्ध साक्ष्य पाए गए, लेकिन वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई भी की थी और उसकी गिरफ्तारी पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। न्यायालय द्वारा जारी स्थायी वारंट के अनुपालन में पुलिस टीम ने सूचना तंत्र और आधुनिक तकनीकी सर्विलांस की मदद ली। सटीक जानकारी मिलने पर पुलिस टीम ने हरिद्वार स्थित सीसीआर के पास घेराबंदी कर अभियुक्त सुनील उर्फ अनिल को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया अभियुक्त मूल रूप से मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश के सिविल लाइन क्षेत्र का रहने वाला है। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि वह 2017 में मासूम हिमांशी को रुद्रपुर से बहला-फुसलाकर ट्रेन के माध्यम से हरिद्वार ले गया था। अभियुक्त का दावा है कि हरिद्वार स्टेशन पर भारी भीड़ के कारण बच्ची कहीं खो गई थी। पुलिस की पकड़ से बचने के लिए वह तब से हरिद्वार में ही रिक्शा चलाकर अपना गुजर-बसर कर रहा था और अपनी असली पहचान छिपाए हुए था। पुलिस अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

महापौर ने मेडल जीतकर लौटे खिलाड़ियों को किया सम्मानित

रुद्रपुर । हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित 26वीं कैडेट सब जूनियर, जूनियर और सीनियर स्क्वे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तराखंड की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता के झंडे गाड़े हैं। प्रतियोगिता में पदक जीतकर लौटे शहर के होनहार खिलाड़ियों का नगर निगम परिसर में भव्य स्वागत किया गया। महापौर विकास शर्मा ने विजेता खिलाड़ियों को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धि पर शाबाशी दी। महापौर ने टीम की इस बड़ी जीत के लिए स्क्वे एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के सचिव मोहम्मद हसन खान के प्रयासों की भी सराहना की।सम्मान समारोह के दौरान महापौर ने स्वर्ण पदक जीतने वाली रिद्धिमा सती, लिपिका, तनिषा और इनाया खान के साथ ही रजत पदक विजेता संजय को बधाई दी। इसके अलावा कांस्य पदक जीतने वाली साक्षी दिवाकर, सौम्या बिष्ट, विशाल शर्मा, जितेंद्र कुमार मौर्य, आरती पुजारी, निशा रामपाल, वारन्या नैथानी और आदविका यादव को भी पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर ब्लैक बेल्ट परीक्षा और राष्ट्रीय रेफरी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सीनियर खिलाड़ी प्रसून वर्मा, मोना कश्यप और विशाल शर्मा को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए महापौर ने कहा कि तराई की खेल प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार परचम लहराकर शहर का गौरव बढ़ा रही हैं।महापौर विकास शर्मा ने कहा कि आज प्रदेश की खेल प्रतिभायें लगाकर राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहरा रही है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में आयोजित प्रतियोगिता में क्षेत्र की प्रतिभाओं ने एक बार फिर परचम लहराकर शहर का गौरव बढ़ाया है। उनहोंने कहा कि प्रदेश की धामी सरकार लगातार खेल और खिलाड़ियों का प्रोत्साहित कर रही है। सरकार ने उत्तराखण्ड को देवभूमि के साथ साथ खेल भूमि बनाने के लिए खेल नीति लागू की है। प्रदेश में मेडल लाने वाले खिलाड़ियों को सरकार सरकारी नौकरियां भी दे रही है। धामी सरकार की खेलों के प्रति गंभीर है। पिछले दिनों प्रदेश में नेशनल गेम्स का सफल आयोजन हुआ था जिसमें प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। महापौर ने कहा कि सीएमधामी के मार्गदर्शन में रूद्रपुर नगर निगम भी खेलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। जल्द ही किच्छा रोड पर खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स स्टैडियम बनाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि नगर निगम खिलाड़ियों को हरसंभव सुविधायें प्रदान करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा।स्क्वे एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के सचिव मोहम्मद हसन खान ने बताया कि खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में चार स्वर्ण, एक रजत और नौ कांस्य पदक सहित कुल 14 पदक जीतकर उत्तराखंड राज्य का मान बढ़ाया है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए महापौर और नगर निगम प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों के परिजन और खेल प्रेमी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

उत्तरायणी महोत्सव में कुमाऊनी लोकधुनों पर झूमे लोग

गायक गजेंद्र राणा और कुसुम भट्ट की प्रस्तुतियों ने बांधा समां, छोलिया नृत्य रहा आकर्षण का केंद्र

रुद्रपुर। शैल सांस्कृतिक समिति के तत्वाधान में गंगापुर रोड स्थित शैल भवन में दो दिवसीय उत्तरायणी महोत्सव का मंगलवार को धूमधाम से शुभारंभ हुआ। देवभूमि की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोए इस महोत्सव के पहले दिन कुमाऊनी कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी जसविंदर सिंह खरबंदा, विधायक शिव अरोड़ा, राज्य मंत्री उत्तम दत्ता, समाजसेवी डॉक्टर किशोर चंदोला, डी एस बिष्ट, कमलेंद्र सेमवाल, सुरेश परिहार, भरत लाल शाह और गोपाल सिंह पटवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे महोत्सव अपनी लोक संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का सशक्त माध्यम हैं। वक्ताओं ने उत्तरायणी के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए समिति के प्रयासों को सराहा। महोत्सव के प्रथम दिन लोक कलाकारों ने कुमाऊनी संस्कृति पर आधारित रंगारंग कार्यक्रमों की झड़ी लगा दी। मंच पर विख्यात लोक गायक गजेंद्र राणा और लोक गायिका डॉक्टर कुसुम भट्ट ने अपने सुरीले गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इनके साथ ही मशहूर कलाकार साक्षी काला, विक्रम रावत, जगदीश भट्ट, राजेंद्र बिष्ट, पवन रावत, पंकज बणई, शिवम शर्मा सहित अन्य कलाकारों ने अपनी लोक कला का शानदार प्रदर्शन किया। पारंपरिक छोलिया नृत्य मेले में मुख्य आकर्षण का केंद्र बना रहा, जिसकी थाप पर दर्शक भी झूमने को मजबूर हो गए। मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले लगाए गए हैं, जबकि व्यापारिक स्टॉलों और पर्वतीय उत्पादों की प्रदर्शनी में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। खान-पान के शौकीनों ने पहाड़ी व्यंजनों के स्टॉलों पर पारंपरिक स्वादों का लुत्फ उठाया। सामाजिक सरोकारों के तहत चंदौला होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की ओर से एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया, जिसमें मरीजों का परीक्षण कर उन्हें दवाइयां वितरित की गईं। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्यों के लिए डा. केसी चंदौला को मंच पर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंच का सफल संचालन हेमंत बिष्ट द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपाल सिंह पटवाल ने की। इस अवसर पर महासचिव एडवोकेट दिवाकर पांडे, उपाध्यक्ष सतीश ध्यानी, मोहन उपाध्याय, कोषाध्यक्ष डीके दनाई, पीसी शर्मा, राजेंद्र बोहरा, दिनेश बम, भास्कर जोशी, जगदीश बिष्ट, दिनेश भट्ट, दान सिंह मेहरा, मुकुल उप्रेती, डॉक्टर एलएम उप्रेती, सतीश लोहनी, अवतार सिंह बिष्ट, डॉक्टर नंदाबल्लभ पाठक, लीलाम्बर जोशी, विजय भूषण गर्ग, पूरन चंद्र जोशी, संजीव बुधौरी, हरीश दनाई, नरेंद्र रावत, सीबी घिंडियाल, एलडी जोशी, राजेंद्र बलौदी, प्रकाश जोशी, महेश कांडपाल, डीएस मेहरा, त्रिभुवन जोशी, हरीश मिश्रा, केके मिश्रा, दयाकिसन बुढ़लाकोटी, त्रिलोचन पनेरू, डीडी गुणवन्त, धीरज पांडे और भारत जोशी मौजूद रहे। साथ ही दिनेश भट्ट, तनुजा बुधौरी, विनीता पांडे, सुधा पटवाल, लीला दनाई, नीलम कांडपाल, भावना मेहरा, मंजू दनाई, सुनीता पांडे, तारा जोशी, शोभा मिश्रा, प्रभा मेहरा, शालिनी बोहरा, सरिता उपाध्याय, हेमा पंत, कुमकुम उपाध्याय, रेखा, पूजा, भारती जोशी, भगवती, आशा लोहनी, भगवती मेहरा, बीना लखेड़ा, सुधा जोशी, चंद्रा बम, डॉक्टर अजय विश्वकर्मा, सागर तिवारी, डॉक्टर दुर्गेश पाल, डॉक्टर रश्मि नेगी, डॉक्टर मनीषा बैरागी, डॉक्टर आलिया सिद्दीकी, नरेंद्र कोहली, डॉक्टर बेबी जोशी, डॉक्टर नितेश सागर, डॉक्टर सैयद हमजा, डॉक्टर सलोनी आर्या, डॉक्टर दीक्षा, डॉक्टर संगीता, डॉक्टर समन शाहिद, डॉक्टर उर्वी, शिफा फातिमा, दिव्या, नंदू, अजय मेहरा और आयशा आदि लोग मौजूदरहे।

जमानत मिलने के बाद भी सलाखों के पीछे ब्लॉगर ज्योति

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। विवादित वीडियो के चलते जेल में बंद ब्लॉगर ज्योति अधिकारी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मंगलवार को हल्द्वानी के मुखानी थाने में दर्ज मामलों में अदालत से जमानत मिलने के बावजूद ज्योति की जेल से रिहाई नहीं हो सकी। रिहाई की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खटीमा पुलिस ने 'बी-वारंट' दाखिल कर दिया, जिसके चलते उसे फिलहाल हीरानगर स्थित उपकारागार में ही रहना होगा। पूरा मामला ब्लॉगर ज्योति अधिकारी द्वारा इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कुछ वीडियो से जुड़ा है। सबसे पहले मुखानी थाने में जूही चुफाल नामक युवती ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि ज्योति ने वीडियो में देवी-देवताओं और पहाड़ की महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी की है। वीडियो में वह सार्वजनिक स्थान पर दराती लहराते हुए भी नजर आ रही थी। पुलिस ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर 8 जनवरी को ज्योति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस बीच मुखानी पुलिस ने वादी को धमकाने के आरोप में उस पर एक और मुकदमा दर्ज किया था। मंगलवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट विशाल ठाकुर की अदालत में मुखानी थाने से जुड़े मामलों पर सुनवाई हुई। बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं ने लंबी दलीलें पेश कीं और कोर्ट को बताया कि ज्योति का उद्देश्य किसी की भावनाओं को भड़काना नहीं था। अधिवक्ताओं ने यह भी कहा कि वह समाज में सकारात्मक संदेश देने के लिए वीडियो बनाकर माफी मांगने को भी तैयार है। दलीलों के बाद अदालत ने जमानत मंजूर कर ली, जिससे परिजनों को रिहाई की उम्मीद जगी थी।

सिडकुल रोड पर वृद्ध की हत्या का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के अपराधियों के विरुद्ध कड़े रुख और त्वरित कार्रवाई के निर्देशों के चलते ट्रांजिट कैंप थाना पुलिस ने वृद्ध की हत्या के मामले का महज कुछ ही घंटों में पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने इस जघन्य वारदात में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिए हैं। घटना का विवरण देते हुए पुलिस ने बताया कि 12 जनवरी 2026 को पवन कुमार निवासी आजादनगर ने थाने में लिखित तहरीर दी थी। पवन ने बताया कि उनके ससुर पप्पू वर्मा निवासी जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश), जो वर्तमान में उनके पास आए हुए थे, सिडकुल रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की और उन्हें लहूलुहान हालत में सड़क

किनारे फेंक कर फरार हो गए। गंभीर चोटों के कारण पप्पू वर्मा की मौके पर ही मृत्यु हो गई। इस सनसनीखेज वारदात से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। पुलिस ने तत्काल प्रभाव से भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर साक्ष्य जुटाने शुरू किए। पुलिस टीम ने स्थानीय स्तर पर सूचनाएं एकत्रित कीं और मौके पर मौजूद गवाहों के बयान दर्ज किए, जिससे संदिग्धों के बारे में अहम सुराग हाथ लगे। सटीक जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने सोमवार की देर रात करीब 10:35 बजे सिडकुल रोड स्थित रिद्धि-सिद्धि क्षेत्र में घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस ने तीन संदिग्धों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों में योगेश पाण्डे निवासी जनपद वाराणसी, सुजीत सरोज निवासी जनपद मिर्जापुर और अबू तालीब निवासी जनपद मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) शामिल हैं। यह तीनों आरोपी वर्तमान में ट्रांजिट कैंप क्षेत्र के अंतर्गत शिमला बहादुर स्थित हनुमान ढाल के पास किराए पर रह रहे थे। कड़ाई से पूछ ताछ करने पर आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किए गए खून से सने बांस के डंडे भी बरामद किए हैं। आरोपियों ने बताया कि किसी बात को लेकर हुई मामूली बहस के बाद उन्होंने आवेश में आकर वृद्ध पर हमला कर दिया था। पुलिस ने सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। इस सफल कार्रवाई में उपनिरीक्षक अकरम अहमद और मुख्य आरक्षी अनिल कुमार की मुख्य भूमिका रही।

मॉडल कालोनी शिव मंदिर में मनाया लोहड़ी पर्व

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मॉडल कालोनी शिव मंदिर में मंगलवार की रात्रि लोहड़ी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि अमित जैन लोहिया, पंकज बांगा, अनिल शर्मा, मीना शर्मा व आनन्द बिंदल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर पं. भैरव दत्त शर्मा द्वारा कराई पूजा के साथ लोहड़ी प्रज्जवलित की। लोगों ने भांगड़ा नृत्य किया। उपस्थित

वहीं जिन विवाहितों के शादी के पच्चीस, चालीस व पचास वर्ष पूरे हो गये हैं पति पत्नी को सम्मानित किया। इस दौरान ईश्वर कौर, कुलवंत सिंह, अनूप सिंह रावत, श्यामलाल बंसल, नेहा कामरा, अर्पित कामरा, अनुराधा जैन, राजेन्द्र, सुषमा अग्रवाल, अनिल, सुभाष, जय भगवान जैन, राजकुमार, सुनील ठुकराल, गुलशन छावड़ा, मिन्नी, ताराचन्द अग्रवाल, किशन मिड्ढ़ा, बलदेव डावर, हरीश बांगा बंटू, विष्णु बंसल, कांता ग्रोवर, सुषमा मिड्ढा, नेहा बांगा, अनुराधा जैन आदि मौजूद थे।

धार्मिक दीवान में पूर्व विधायक ठुकराल को किया सम्मानित

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर गुरुद्वारा मेहर सिंह में धार्मिक दीवान और विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल की उपस्थिति पर उन्हें गुरुघर का आशीर्वाद स्वरूप सरोपा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में शिरकत करते हुए पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि गुरुओं द्वारा दिखाया गया सेवा और बलिदान का मार्ग ही हमें समाज की सच्ची सेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व नई ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है।

गुरुद्वारे जैसी पवित्र जगह पर आकर आत्मिक शांति का अनुभव होता है। ठुकराल ने प्रबंधक कमेटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सदैव समाज के हर वर्ग की सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भी पर्व की शुभ कामनाएं साझा कीं। कार्यक्रम में प्रधान कंवल जीत सिंह, ग्राम प्रधान काल सिंह, जसवंत सिंह, जोगेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, प्रीतम सिंह, गुरचरन सिंह, ललित सिंह बिष्ट, वीरेन्द्र सिंह, बूड़ सिंह, अजय नारायण सिंह, जसपाल सिंह, मलकीत सिंह, सूबेदार जरनैल सिंह, बलविंदर सिंह बबलू, बचन सिंह और पाल सिंह सहित बड़ी संख्या में संगत रही।

ज्ञान विहार कॉलोनी में लोहड़ी पर्व हर्षोल्लास से मनाया

गदरपुर। ज्ञान विहार कॉलोनी में लोहड़ी का त्योहार इस वर्ष बड़े ही धूमधाम, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कॉलोनी के निवासियों ने ढोलख्रनगाड़ों, नाचख्रगाने और पारंपरिक गीतों के साथ लोहड़ी पर्व का आनंद लिया। पूरे वातावरण में खुशी और भाईचारे की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत लोहड़ी की आरती व पूजन से की गई। इसके पश्चात सभी लोगों ने अग्नि प्रज्वलित कर लोहड़ी में तिल, मूंगफली, रेवड़ी व अन्य पारंपरिक सामग्री अर्पित की और सुख-समृद्धि की

कामना की।इस आयोजन में ज्ञान विहार समिति के अध्यक्ष प्रमोद बजाज सहित समिति के अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान सभी के लिए जलपान की सुंदर व्यवस्था भी की गई, जिसका कॉलोनीवासियों ने भरपूर आनंद उठाया।लोहड़ी पर्व के अवसर पर एक-दूसरे को बधाई देते हुए लोगों ने पारंपरिक अंदाज में उत्सव मनाया। इस मौके पर वेद प्रकाश बजाज, श्याम लाल सुखीजा, विनोद भुसरी, राजकुमार भुड्डी, कृष्ण लाल सुधा, प्रमोद बजाज, संजीव डोडा, दर्शन लाल भुड्डी, अशोक भुड्डी, सतीश भुड्डी,प्रदीप भुड्डी, सतीश गगनेजा, मनोज अहूजा, प्रेमलाल छाबड़ा, राजेंद्र अनेजा, स्वर्ण सिंह, भूपेंद्र सिंह चौहान, विनोद बजाज, टिंकू अनेजा, जितेंद्र बजाज, विकास बजाज, अमित छाबड़ा ,राजू छाबड़ा, टिंकू अनेजा, अनिल अरोड़ा, वार्ड मेंबर बिल्लन जी एवं विनीता फोगाट, नरेश छाबड़ा, राकेश छाबड़ा, मुनि भुसरी, कपिल गंडा, कल्याण छाबड़ा, शिवम छाबड़ा, शुभम बत्रा सहित बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और युवा उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि केवल ज्ञान विहार कॉलोनी ही नहीं, बल्कि पूरे गदरपुर शहर में लोहड़ी का पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। हर गली, हर मोहल्ले और विभिन्न स्थानों पर लोहड़ी जलाकर नाचख्रगाने के साथ यह पारंपरिक पर्व मनाया गया, जिससे शहर का माहौल पूरी तरह से उत्सवमय हो गया।

सीएम ने चंपावत को दी 170.15 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

चंपावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को जनपद चम्पावत स्थित पावन माता रणकोची मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-समृद्धि की कामना की तथा मंदिर परिसर में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग कर क्षेत्रीय जनता से सीधे संवाद किया।मुख्यमंत्री ने "मुख्यमंत्री संस्कृति संवर्धन पहल" के अंतर्गत जनपद चम्पावत के ऐतिहासिक मंदिरों के पुजारियों को "कला, परंपरा और पहचान" किट वितरित की, जिसमें वाद्य यंत्र, धार्मिक पुस्तकें, पूजा सामग्री एवं अन्य सांस्कृतिक सामग्री शामिल थीं। इस पहल का उद्देश्य नशा मुक्त भारत एवं नशा मुक्त देवभूमि के संकल्प को साकार करना है।मुख्यमंत्री ने माता रणकोची मंदिर परिसर से जनपद चम्पावत के लिये ₹170.15 करोड़ की लागत की 20 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जिसमें ₹33.95 करोड़ की 9 योजनाओं का लोकार्पण तथा 136.20 करोड़ की लागत की 11 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न विभागों के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं सहायता सामग्री भी वितरित की गई।मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने चम्पावत के विकास हेतु 7 महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं जिसमें सीम, खेत, चूका एवं सौराई क्षेत्रों में बाढ़ सुरक्षा कार्य, तल्लादेश क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों का सौंदर्यीकरण कार्य, पूर्णागिरि मेला 2026 के सुचारु संचालन हेतु 2.5 करोड़ की धनराशि दिये जाने के साथ विधानसभा चम्पावत के मंचकारी मोटर मार्ग तथा रमैला-गागरी-दमतोला मोटर मार्ग का डामरीकरण कार्य, जिला चिकित्सालय चम्पावत की निर्माणाधीन क्रिटिकल यूनिट में लिफ्ट सहित अन्य मरीज सुविधाओं के विस्तार का कार्य, ग्राम सभा नीड में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएनएम उपकेंद्र) की स्थापना सहित चम्पावत में इंटीग्रेटेड सैनिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु 15 नाली भूमि उपलब्ध कराई जाने की घोषणा शामिल हैं।जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि चम्पावत आस्था, संस्कृति और इतिहास से समृद्ध भूमि है, जहाँ आस्था केवल पूजा का माध्यम नहीं बल्कि जीवन को दिशा देने वाली चेतना है। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की वास्तविक शक्ति उसकी संस्कृति में निहित होती है। माता रणकोची मंदिर का विकास केवल निर्माण कार्य नहीं बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का सशक्त प्रयास है।मुख्यमंत्री ने जनपद चम्पावत में किये जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार का मूल मंत्र जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार है। जनपद चम्पावत में न्याय पंचायत स्तर पर आयोजित जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से बड़ी संख्या में जनसमस्याओं का समाधान हुआ है और पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ मिला है।मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि आस्था, संस्कृति, संवाद और विकास के समन्वित प्रयास से जनपद चम्पावत आने वाले वर्षों में उत्तराखण्ड का आदर्श, सशक्त और आत्मनिर्भर जनपद बनेगा। उन्होंने सभी नागरिकों से संस्कृति संरक्षण, विकास और जनभागीदारी के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा गोविन्द सामन्त, नगर पालिकाध्यक्ष टनकपुर विपिन वर्मा, नगर पंचायत बनबसा अध्यक्ष रेखा देवी, क्षेत्र पंचायत प्रमुख चम्पावत अंचला बोहरा, नगर पालिका अध्यक्ष चम्पावत प्रेमा पाण्डेय, प्रदेश मंत्री भाजपा निर्मल माहरा, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी, दीपक रजवार,जिला महामंत्री मुकेश कलखुड़िया,डीएम मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव, सूरज प्रहरी, शंकर पांडे आदि मौजूद थे।

पांच मंदिर व श्री हरि मंदिर में धूमधाम से मनाया लोहड़ी पर्व

रुद्रपुर। श्री सनातन धर्म सभा के संरक्षण में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर एवं श्री हरि मंदिर रुद्रपुर में मंगलवार की सायं लोहड़ी का पावन पर्व बड़े उत्साह और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। शाम को बड़ी संख्या में भक्तों ने मंदिर परिसर में पहुंचकर अग्नि देव का पूजन किया। वैदिक परंपरा के अनुसार पुरोहितों द्वारा अग्नि देव की स्तुति ऋग्वेद के मंत्रों से की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने लोहड़ी की पवित्र अग्नि के समक्ष अपने परिवार, संस्थान एवं राष्ट्र की उन्नति के लिए विशेष प्रार्थनाएँ कीं लोहड़ी से जुड़े पारंपरिक लोक गीतों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर एवं श्री हरि मंदिर में देवदर्शन कर श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विवाहित दंपतियों ने अपने गृहस्थ जीवन की सुख-समृद्धि की कामना की, वहीं नवजात शिशुओं के माता-पिता ने उनके निरोग जीवन और उज्ज्वल भविष्य के लिए अग्नि में रेवड़ी, मूंगफली, तिल, फुल्ले आदि अर्पित किया। इस मौके पर लोगों ने लोहड़ी पर्व मनाते हुए लोहड़ी के गीतों व संगीत की धुनों पर खूब नृत्य भी किया। कार्यक्रम में सभा के सरपरस्त नंदलाल भुड्डी, प्रधान महेश बब्बर, उपप्रधान तिलक राज घई, विजय जग्गा, महामंत्री ओम प्रकाश अरोरा, महिला मंडल की अध्यक्षा शशि अरोरा, महावीर दल के सुरेश राजदेव, राकेश राजदेव, कर्मचंद राजदेव, अमित अरोरा, विजय विरमानी, राकेश सुखीजा, नरेश शर्मा, बंटी ग्रोवर, अभिषेक दुनेजा, पिंकी ग्रोवर, आकांक्षा नेगी, सीमा दुनेजा, राज वर्मा, कंचन ग्रोवर, शोभा मिड्ढा सहित अनेक पदाधिकारी,नागरिक, महिलाएँ और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंदिर परिसर देर शाम तक भक्ति, संगीत और लोक गीतों की मधुर धुनों से गुंजायमान रहा।

गुरु मान्यो ग्रंथ चेतना समागम 21 से

गदरपुर । सिख धर्म के सिद्धांतों एवं इतिहास पर आधारित गुरु मान्यो ग्रंथ चेतना समागम मीरी पीरी खालसा अकैडमी रतनपुरा/नवाबगंज ,उत्तराखंड, रामपुर उत्तर प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है । यह जानकारी देते हुए गुरुद्वारा श्री गुरु हरगोबिंद कर नवाबगंज के मुख्य सेवादार वीर अनूप सिंह ने कहा कि 21,22 एवं 23 जनवरी 2026 को आयोजित किये जा रहे समागम में पंजाब से महान कथा वाचक विद्वान भाई रणजीत सिंह ढढरियां वाले एवं उनके जत्थे द्वारा गुरबाणी, कीर्तन इतिहास श्रवण कराया जाएगा । इसके साथ ही रागी भाई हरजीत सिंह ,ग्रंथी भाई जसवीर सिंह एवं अन्य वक्ता भी शामिल होंगे । कार्यक्रम के दौरान 21 जनवरी को अमृत संचार भी होगा, उन्होंने सभी संगत से कार्यक्रम अनुसार सहभागिता करने की अपील की है ।

कृषि मंत्री जोशी ने मृतक किसान के परिजनों से की मुलाकात

काशीपुर, 13 जनवरी। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज ऊधमसिंह नगर जनपद के काशीपुर स्थित पैगा गांव पहुंचकर मृतक किसान सुखवंत सिंह के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दिवंगत किसान के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।कृषि मंत्री गणेश जोशी ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार की ओर से पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।कृषि मंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पीड़ित परिवार को हर सम्भव मदद प्रदान करने तथा मामले में पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अत्यंत संवेदनशीलता से लेते हुए कुमाऊँ आयुक्त दीपक रावत को मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए हैं और

स्वयं प्रकरण की मॉनिटरिंग भी कर रहे है। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसान परिवार को न्याय दिलाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेगी।इस दौरान मृतक के भाई परविंदर सिंह, पिता तेजा सिंह, हरजीत सिंह, काशीपुर विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, एसपी काशीपुर स्वप्न किशोर सिंह, एसडीएम काशीपुर अभय प्रताप, एसडीएम बाजपुर डॉ. अमृता शर्मा, ओबीसी मोर्चा महामंत्री रविपाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

युवाओं से स्वामी जी के आदर्शों को अपनाने का किया आह्वान

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर महापौर विकास शर्मा ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (डिग्री कॉलेज) पहुंचकर महान दूरदृष्टा और युग प्रवर्तक स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें नमन किया। महापौर ने महा विद्यालय परिसर में स्थापित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर महापौर विकास शर्मा ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को याद करते हुए कहा कि स्वामी जी ने दुनिया भर के युवाओं को आत्मविश्वास, राष्ट्रभक्ति और निस्वार्थ सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संदेश आज के दौर में भी पूरी तरह प्रासंगिक है और युवाओं को देश के सर्वांगीण विकास में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है। महापौर ने आह्वान किया कि राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर सभी को स्वामी जी के आदर्शों को जीवन में उतारते हुए एक

विकसित, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, वरिष्ठ नेता सुरेश कोली, मंडल अध्यक्ष मुकेश पाल, पार्षद राधे शर्मा सहित छात्र संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

मतदाता जागरूकता रैली निकालकर किया जागरूक

रूद्रपुर। पीएम श्री अटल उत्कृष्ट आदित्यनाथ झा राजकीय इंटर कॉलेज रुद्रपुर के एनएसएस स्वयंसेवियों ने सात दिवसीय शिविर के पांचवें दिन मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया। कार्यक्रम अधिकारी गिरीश शर्मा के नेतृत्व में स्वयंसेवियों ने प्रीत विहार, बराड कॉलोनी और अपना एनक्लेव सहित विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया।रैली से पूर्व विद्यालय के प्रधानाचार्य दयाशंकर पांडे ने छात्र-छात्राओं को मतदान प्रक्रिया, वोटर लिस्ट और लोकतंत्र में वोट

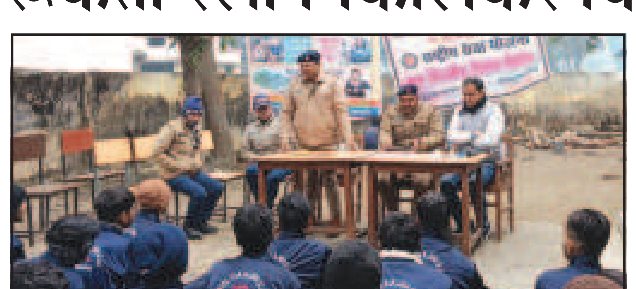

की महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद हाथ में तख्तियां लेकर निकले स्वयंसेवियों ने 'सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो' और 'हम सब ने यह ठाना है, लोकतंत्र को मजबूत बनाना है' जैसे नारों के माध्यम से जन-जन को मतदान का संदेश दिया।शिविर के दूसरे सत्र में उत्तराखंड पुलिस की यातायात टीम ने स्वयंसेवियों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी दी। यातायात निरीक्षक नरेंद्र कुमार ने बताया कि देश में सड़क दुर्घटनाओं के कारण हर साल लाखों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं, जिससे बचने के लिए नियमों का पालन करना अनिवार्य है। उप निरीक्षक आरएस बिष्ट ने छात्रों को सड़क पर लगे विभिन्न संकेतों और निशानों के अर्थ समझाए। इस दौरान विशाल सरकार, जगदीश भट्ट, सुदीप मंडल, पुष्पेंद्र सिंह, प्रिंस मिश्रा, मोहम्मद ताजिम सहित कॉलेज के तमाम स्वयंसेवी उपस्थित रहे।

देवभूमि की संस्कृति और डेमोग्राफी से कोई समझौता नहीं: धामी

खटीमा में उत्तरायणी कौतिक का भव्य शुभारंभ, मुख्यमंत्री ने की पर्वतीय विकास भवन और मंच निर्माण की घोषणा

खटीमा(उद संवाददाता) ।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुमाऊँ सांस्कृतिक उत्थान मंच खटीमा द्वारा बीज निगम परिसर में आयोजित उत्तरायणी कौतिक मेले का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए घोषणा की कि पर्वतीय विकास भवन बनाया जाएगा, इस हेतु उन्होंने जिलाधिकारी को भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस उत्तरायणी मेले को कैलेंडर में रखते हुए आर्थिक सहायता दी जाएगी एवं समिति के अनुरोध पर उन्होंने मंच निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि मकर संक्रांति एक ऐसा पर्व है, जिसका महत्व आध्यात्मिक भी है और वैज्ञानिक भी। उन्होंने कहा कि हम सभी मकर संक्रांति को सूर्य के उत्तरायण होने के उपलक्ष्य में मनाते हैं। हमारी संस्कृति में सूर्य देव को ग्रहों का राजा कहा जाता है, इसलिए मकर संक्रांति का यह पावन पर्व एक राजा का अपनी प्रजा के घर जाने का दिन भी माना जाता है। उन्होंने कहा कि उत्तरायणी का पर्व मात्र एक त्यौहार नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, हमारी आस्था और हमारे जीवन दर्शन का उत्सव है। उन्होंने कहा कि इस समय सूर्य नारायण हमारे जीवन में नई ऊर्जा, नई उम्मीद और नई शुरुआत का संदेश लेकर आते हैं। मुझे खुशी है कि उत्तरायणी कौथिक जैसे आयोजनों के माध्यम से हमारी नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ रही है। इस आयोजन में जब बच्चे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर नृत्य करते हैं, युवा लोकगीत गाते हैं और हमारी माताएं-बहनें पारंपरिक परिधान में सजकर इस उत्सव का हिस्सा बनती हैं, तब यह विश्वास और मजबूत हो जाता है कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर सुरक्षित हाथों में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के बदलते वक्त में जब आधुनिकता चारों और बढ़ रही है, तब अपनी पहचान को बचाए और बनाए रखना अत्यंत आवश्यक हो गया है। ऐसे समय में इस प्रकार के आयोजन अत्यन्त महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व और दूरदर्शी मार्गदर्शन में आज भारत न केवल विकास के नए शिखर छू रहा है, बल्कि सनातन संस्कृति के गौरव को भी पूरे विश्व में पुनः स्थापित कर रहा है। उनके सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र से प्रेरणा लेकर हमारी राज्य सरकार देवभूमि उत्तराखंड को विकास का आदर्श मॉडल बनाने के लिए दिन-रात कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खटीमा, मेरे लिए केवल एक विधानसभा नहीं, बल्कि मेरा घर है और आप सभी मेरा परिवार हैं। यहीं से मैंने जनसेवा की यात्रा शुरू की थी और यहां की हर गली, हर गांव, हर चेहरा मेरे दिल में बसता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने खटीमा में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल से लेकर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हमने जहां एक ओर खटीमा में हाईटेक बस स्टैंड, आधुनिक आईटीआई और पॉलीटेक्निक कॉलेज तथा 100 बेड के नए अस्पताल परिसर का निर्माण कर बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने का काम किया है, वहीं औद्योगिक विकास को गति देने के साथ ही, युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने हेतु राष्ट्रीय स्तर के अत्याधुनिक खेल स्टेडियम का निर्माण भी कराया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने हेतु हमने गदरपुर और खटीमा बाईपास का निर्माण, नौसर में पुल के निर्माण के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में सड़कों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हमारी सरकार ने खटीमा और टनकपुर के बीच एक भव्य सैन्य स्मारक बनाने की भी घोषणा की है, जिस पर शीघ्र ही कार्य प्रारंभ हो जाएगा। इसके अलावा हमने एक ओर जहां राजकीय महाविद्यालय खटीमा में एमकॉम और एमएससी की कक्षाएं शुरू कराई हैं, वहीं जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में एकलव्य विद्यालय का संचालन भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं, पूरे विश्वास से कहता हूं कि खटीमा के विकास की गति को कभी रुकने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने एक ही वर्ष में बेरोजगारी दर में रिकॉर्ड 4.4 प्रतिशत की कमी की है, जो राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर है। लेकिन विपक्ष को यह सच दिखाई नहीं देता, क्योंकि उन्हें सिर्फ अफवाह और भ्रम फैलाने की राजनीति आती है। उन्होंने कहा कि देवभूमि की संस्कृति से न तो कोई खिलवाड़ होगा, न ही डेमोग्राफी से कोई समझौता किया जाएगा और न ही कानून व्यवस्था से कोई सौदा होगा। इसीलिए हमने लैंड जिहाद, लव जिहाद और थूक जिहाद जैसी घृणित मानसिकताओं के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि हमने दंगारोधी और धर्मांतरण विरोधी कानून लागू किए और सिर्फ कानून ही नहीं बनाए, बल्कि उन्हें धरातल पर भी उतारा। एक ओर जहां लैंड जिहाद के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हमने 10 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को भूमाफियाओं से मुक्त कराया। वहीं 250 से अधिक अवैध मदरसों को सील करने के साथ ही 500 से अधिक अवैध संरचनाओं पर बुलडोजर चलाकर ये भी साबित किया कि देवभूमि की एक-एक इंच भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके अलावा हमने ऑपरेशन कालनेमि के जरिए सनातन धर्म को बदनाम करने वाले ढोंगियों और पाखंडियों पर भी कार्रवाई की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने एक ओर जहां समान नागरिक संहिता लागू कर प्रदेश में समरस समाज की नींव रखी, वहीं सख्त नकल विरोधी कानून बनाकर नकल माफिया की कमर तोड़ने का काम भी किया। जिसके चलते ही आज लगभग 27 हजार युवाओं को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी मिली है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर हमने ष्जीरो टॉलरेंसष् की नीति अपनाकर पिछले साढ़े चार वर्षों में 200 से अधिक भ्रष्टाचारियों को सलाखों के पीछे भेजने का काम किया। इन कठोर और ऐतिहासिक निर्णयों के साथ ही सरकार की स्पष्ट नीति और नीयत के कारण आज उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था राज्य गठन के मुकाबले 26 गुना बढ़ चुकी है। राज्य का बजट 1 लाख करोड़ को पार कर चुका है। इसके साथ ही आज राज्य का बिजली उत्पादन चार गुना बढ़ा है, सड़कों की लंबाई दोगुनी हुई है और राज्य में 10 सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 42,000 से अधिक सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाकर हमने वर्ष 2027 का लक्ष्य 2025 में ही हासिल कर लिया। उन्होंने कहा कि पहले योजनाओं की धनराशि में भी बंदरबांट हुआ करती थी और लाभार्थियों को कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते थे। लेकिन, आज डीबीटी के माध्यम से शत-प्रतिशत धनराशि खातों में स्थांतरित की जा रही है। इसी का परिणाम है कि नंदा गौरा योजना के तहत प्रदेश की 40 हजार से अधिक बेटियों को 172 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता सीधे खाते में दी गई। मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति को विशेष रूप से सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड की संस्कृति की असली वाहक आप हैं। आपके संस्कार, आपकी मेहनत और आपका त्याग ही हमारे समाज की सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए महिला सशक्तिकरण हमारे लिए केवल नारा नहीं, बल्कि संकल्प है। उन्होंने कहा कि जो लोग दशकों तक सिर्फ वादे करते रहे, वे आज हमारी उपलब्धियों से घबराए हुए हैं, लेकिन मैं, आज इस मंच के माध्यम से ये स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि ये देवभूमि है, यहां विकास भी होगा, हमारी संस्कृति भी बचेगी और राष्ट्रविरोधी लोगों को यहां से अंतोतगत्वा जाना ही पड़ेगा। हमारा लक्ष्य उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना है। और ये लक्ष्य कोई नारा नहीं, बल्कि हमारा विकल्प रहित संकल्प है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे इस संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए आप सभी इसी प्रकार हमारी सरकार का सहयोग करते रहेंगे। कार्यक्रम में मेयर दीपक बाली, विकास शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष रामेश चंद्र जोशी, दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता,पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, डॉ प्रेम सिंह राणा,ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, जिलाध्यक कमल जिन्दल, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, वी सी जय किशन, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ उत्तम सिंह नेगी,सीएमओ डॉ के के अग्रवाल,उप जिलाधिकारी तुषार सैनी, अध्यक्ष कुमाऊं सांस्कृतिक उत्थान समिति ठाकुर सिंह खाती, सचिव भुवन चंद्र भट्ट, कोषाध्यक्ष बी एस मेहता,मेला प्रभारी के डी भट्ट, जे एस बसेड़ा,नवीन कापड़ी, किशन सिंह किन्ना, राजेंद्र सिंह मितडी, गोपाल दत्त पाठक,सावित्री चंद,शांति पांडेय,गीता कांडपाल,जानकी गोस्वामी, संदीप कांडपाल, कमला मेलकानी, कुंदन सिंह बोरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि व भारी संख्या में मेलार्थी मौजूद थे।

लोहड़ी के जश्न में शामिल हुए सीएम, हर्षोल्लास के साथ मनाया पर्व

खटीमा के नगला तराई रोड पर आयोजित सार्वजनिक समारोह में मुख्यमंत्री ने दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

खटीमा(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नगला तराई रोड स्थित हर्षु इंक्लेव में आयोजित सार्वजनिक लोहड़ी समारोह में शिरकत की। सुमित गुम्बर के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पवित्र अग्नि में आहुति दी और उपस्थित जनसमूह के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी को लोहड़ी की बधाई देते हुए प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। कार्यक्रम में मेयर दीपक बाली, विकास शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला और प्रेम सिंह राणा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनके साथ ही ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, जिला अध्यक्ष कमल जिंदल सहित कई अन्य सामाजिक और राजनैतिक कार्यकर्ता कार्यक्रम का हिस्सा बने।प्रशासनिक स्तर पर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, उपाध्यक्ष जय किशन और मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी भी समारोह में मौजूद रहे। सुरक्षा और व्यवस्था के दृष्टिगत अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तम सिंह नेगी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी केके अग्रवाल और एसडीएम तुषार सैनी ने भी कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर क्षेत्र के लोगों में भारी उत्साह देखा गया और पारंपरिक गीतों के साथ लोहड़ी का पर्व हर्षोल्लास से संपन्न हुआ।

उत्तरांचल दर्पण
सम्पादकीय
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

हिंदू मानस की राजनीति

देश के शहर-शहर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। उनसे पहले हिंदुओं की प्रभात फेरियां गलियों से गुजरी। आजादी के लंबे 74 सालों के बाद सोमनाथ का संघर्ष, गर्व, गौरव और सनातन का स्वाभिमान भी याद आ गया। सोमनाथ मंदिर ही नहीं, आराध्य महादेव का प्रथम ज्योतिर्लिंग भी है। वहां किसी आयोजन पर किसी को भी आपत्ति नहीं है। बीते 11 साल से अधिक समय से मोदी देश के पीएम हैं। अभी याद क्यों आया कि सोमनाथ का भी कोई स्वाभिमान है। उसके विध्वंस और पुनर्निर्माण का इतिहास 1000 साल पुराना है। देश के प्रथम पीएम की सोच और धर्मनिरपेक्ष राजनीति क्या थी, आज वह बिल्कुल बेमानी और अप्रासंगिक है। फिर पीएम मोदी ने सोमनाथ की आड़ में हिंदुओं की एकजुटता और तुष्टिकरण का मुद्दा उछाल कर हिंदुओं को एक होने का आह्वान क्यों किया। पीएम चुनावों में भी यह मुद्दा उठाते रहे हैं। बीजेपी को फायदा भी मिलता है। क्या मान लिया जाए कि पीएम ने सोमनाथ के बहाने देश का मानस बदलने की राजनीति की है। उनका लक्ष्य है कि 2047 को विकसित हिंदू राष्ट्र घोषित किया जा सके। संविधान और दस्तावेज में बदलाव बाद में भी किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ही नहीं, सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी हिंदू एकजुटता का आह्वान किया है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया है कि यदि हिंदू एक हो गए, तो आगामी 20-30 सालों में भारत को विश्व गुरु बनने से कोई रोक नहीं सकता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा उछाला और हिंदू एकजुटता की बात कही। गली-गली, शहर-शहर जो सम्मेलन किए गए हैं, उनमें भी 'हिंदू एक' की हुंकार गूंजती रही। हम स्पष्ट कर दें कि हमारा हिंदुत्व से कोई विरोध नहीं है। बेशक भारत में करीब 80 फीसदी हिंदू आबादी है, लेकिन यह 'हिंदू राष्ट्र' नहीं है। भारत में मुसलमान, सिख, ईसाई, पारसी, यहूदी, जैन, बौद्ध सरीखे अन्य समुदाय भी हैं।बेशक इनमें से कुछ समुदाय मानसिक तौर पर खुद को हिंदू मानते और घोषित करते हैं, लेकिन वे हिंदू नहीं हैं। विविधता ही भारत की खूबसूरती है। संघ परिवार को संविधान की नहीं, मानस की चिंता है। यदि सत्ता और संसद में भाजपा की शक्ति बरकरार रही, तो संविधान में कभी भी संशोधन किया जा सकता है, लेकिन हमें यह आसान नहीं लगता। देश के एक और विभाजन का खतरा या संभावनाएं भी मौजूद नहीं हैं, लेकिन देश में आज भी गंभीर समस्याएं हैं जो चिंतित करती हैं। बेशक हम विश्व में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, लेकिन प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में भारत 216 देशों की सूची में 140 वें स्थान पर है। हमारी प्रति व्यक्ति आय 2.65 लाख रुपए ही है। जिस जापान को हमने पछाड़ा है, उसकी यह आय करीब 30 लाख रुपए है। देश पर 225 लाख रुपए का कर्ज है। बेरोजगारी की दर करीब 7 फीसदी है। जिस इंटर्नशिप योजना की घोषणा बजट में गाजे बाजे के साथ की गई थी, उसका भद्दा सच यह है कि सिर्फ 95 युवाओं को ही ऑफर लेटर दिए गए हैं। 6618 युवाओं ने बीच में ही इंटर्नशिप छोड़ दी। यदि सामाजिक स्तर पर देखें, तो देश में 70 फीसदी से ज्यादा लोग विषाक्त पानी पीने को विवश हैं। ऐसी कई समस्याएं हैं, जो हिंदू-मुसलमान करने से हल नहीं होंगी। बेशक राष्ट्र और धर्म अपनी-अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन एक राजनीतिक और वैचारिक अभियान के लिए कमोबेश देश की एकता, अखंडता, धर्मनिरपेक्षता की बलि नहीं दी जा सकती। देश में कई खामियां हैं, जिन्हें अर्थव्यवस्था की आड़ में छुपाया नहीं जा सकता।

कांग्रेस ने उठाए सरकार व पुलिस प्रशासन पर सवाल

15 जनवरी तक कार्रवाई न हुई तो डीजीपी कार्यालय घेरने की चेतावनी

रुद्रपुर। ऊधमसिंहनगर के काशीपुर क्षेत्र के किसान सुखबंत सिंह की आत्महत्या के मामले ने राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है। जान देने से पहले मृतक द्वारा पुलिस अधिकारियों पर लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद अब विपक्ष सरकार और पुलिस प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर रहा है।मंगलवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, विधायक सुमित्रा हृदयेश, विधायक भुवन कापड़ी समेत अन्य नेताओं ने काशीपुर में मृतक के परिजनों से मुलाकात की। इसके बाद रुद्रपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर तीखा हमला बोला।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि जिस भ्रष्ट सिस्टम से परेशान होकर सुखबंत ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया, उसी सिस्टम के लोग अब जांच और कार्रवाई की कमान संभाल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सुखबंत ने खुद मरने से पहले वीडियो बनाकर एसएसपी मणिकांत मिश्रा का नाम लिया है, इसलिए सबसे पहले उन्हें पद से हटाकर सस्पेंड किया जाना चाहिए।नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि सरकार इसमें दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है। मृतक किसान की अपील से सभी भावुक है, सुखवंत की आवाज सभी के कानों में न्याय के लिए गूंज रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त शीघ्र कार्रवाई हो। आरोप लगाया कि आईटीआई थाना अध्यक्ष एसएसपी का करीबी है जिसे पहले बागेश्वर में आरोपों के चलते सस्पेंड किया गया था, लेकिन बाद में ऊधमसिंहनगर बुलाकर मलाईदार पद दे दिया गया।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पूरे मामले की सीबीआई जांच हो और जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज किया जाए। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि यदि 15 जनवरी तक सरकार एसएसपी को हटाकर कार्रवाई शुरू नहीं करती है तो कांग्रेस डीजीपी कार्यालय का घेराव करेगी। पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, विधायक सुमित्रा हृदयेश, विधायक भुवन कापड़ी, जिला अध्यक्ष हिमांशु गाबा सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

पंजाबी धर्मशाला में धूमधाम से मना लोहड़ी का पर्व

बेहड़ ने किया दस लाख के निर्माण कार्यों का लोकार्पण, पांच लाख और देने की घोषणा

किच्छा (उद संवाददाता)। उत्तरांचल पंजाबी महासभा एवं पंजाबी महिला समिति के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को लोहड़ी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आजाद नगर स्थित पंजाबी धर्मशाला परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में पंजाबी संस्कृति की अनूठी छटा देखने को मिली। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक तिलक राज बेहड़ ने शिरकत की, जिनका पंजाबी समाज के गणमान्य लोगों ने शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक तिलक राज बेहड़ ने अपनी विधायक निधि से 10 लाख रुपये की लागत से धर्मशाला में कराए गए विभिन्न निर्माण कार्यों का सामूहिक रूप से लोकार्पण किया। इस अवसर पर पंजाबी समिति की मांग और धर्मशाला की आवश्यकता को देखते हुए विधायक ने निर्माण कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए 5 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि पंजाबी समाज का पुरुषार्थ और मिलनसार स्वभाव समाज के लिए प्रेरणादायक है। समारोह में नन्हे-मुन्ने बच्चों और बालिकाओं द्वारा पंजाबी गीतों पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। विधायक ने सभी प्रतिभागी बच्चों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। परंपरा के अनुसार पंजाबी समाज के बुजुर्गों को भी शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया और समाज के प्रति उनके योगदान को सराहा गया। देर शाम लोहड़ी प्रज्वलित कर सभी ने एक-दूसरे को पर्व की बधाई दी और सुख-समृद्धि की कामना की। इस मौके पर सुरेंद्र चोपड़ा, सुरेश ढींगरा बाबू, विनोद फुटेला, शैली फुटेला, राज पपनेजा, निर्मल सिंह हंसपाल, सतपाल गाबा, सतीश अरोरा, पंडित अनिल शर्मा, करमजीत सिंह, मनोज गाबा, जगरूप सिंह गोल्डी, आरती सिडाना, अशोक सिडाना सहित बड़ी संख्या में पंजाबी समाज के लोग और गणमान्य मौजूद रहे।

जरूरी है परमाणु जवाबदेही बाधाओं से मुक्ति

आखिरकार नरेंद्र मोदी सरकार ने विपक्ष के तमाम विरोध और हंगामे के बावजूद 'शांति विधेयक-2025' अर्थात 'भारत परिवर्तन के लिए नाभिकीय ऊर्जा का सतत दोहन तथा उन्नयन विधेयक-2025' लोकसभा से पारित करा लिया। इस विधेयक का उद्देश्य परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम 2010 को निरस्त करना है। दरअसल भारत ने 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा बनाने का लक्ष्य रखा है। इसे हासिल करने की दृष्टि से ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बड़े लक्ष्य को प्राप्ती के लिए निजी कंपनियों का सहयोग जरूरी है। अकेली सरकारी संस्थाओं के बूते इस मकसद को पूरा करना मुमकिन नहीं है। अतएव इस नए विधेयक के आने से परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने की उम्मीद की जा रही है। यह विधेयक परमाणु ऊर्जा के लिए एक सुरक्षित कानूनी ढांचा तैयार करेगा। फलस्वरूप निजी कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर सकेंगी। इस क्षेत्र में अभी तक परमाणु ऊर्जा विभाग का ही कब्जा है। इस विधेयक के बाद अतिरिक्त बिजली उत्पादन, ग्रिड एकीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से विकास होगा। नागरिक दायित्व अधिनियम (सीएलएनडीए) 2010 में दो महत्वपूर्ण संशोधन सरकार कर सकती है। इन दो संशोधनों को बड़े सुधारों के रूप में देखा जा रहा है। इस संशोधन के तहत परमाणु संयंत्रों को उपकरण सप्लाई करने वाली कंपनियों की जिम्मेदारी सीमित की जा सकती है। मसलन यदि कोई दुर्घटना होती है तो उनकी जिम्मेदारी अनुबंध की मूल राशि और एक निर्धारित समय तक ही सीमित रहेगी। इस परिप्रेक्ष्य में बतौर उदाहरण विदेशी कंपनी जैसे जीई-हिताची वेस्टिंग हाउस को इस कानून के कारण निवेश में हिचक होती रही है। दूसरा संशोधन परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 में प्रस्तावित है। यह कानून फिलहाल केवल सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ही परमाणु संयंत्र चलाने की अनुमति देता है। इसे संशोधित किया जाता है तो निजी कंपनियों को भी परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के संचालन की अनुमति मिल जाएगी। इस परिवर्तन से विदेशी कंपनियों के लिए भविष्य के परमाणु प्रोजेक्ट में अंशिक हिस्सेदारी का द्वार खुल जाएगा। साफ है, ये उपाय हो जाते हैं तो परमाणु उत्पादन बढ़ने की संभावनाएं तो बढ़ जाएंगी, लेकिन स्वच्छ ऊर्जा और परमाणु दुर्घटना होने पर कंपनियों को नागरिक जवाबदेही से मुक्ति मिल जाएगी। याद रहे मनमोहन सिंह सरकार के प्रधानमंत्री रहते हुए भारत-अमेरिका के बीच हुए परमाणु समझौते के बाद जो राजनीतिक तूफान उठा था, उसके चलते संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-1 सरकार गिरते-गिरते बची थी। दरअसल सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को बाधा मुक्त इसलिए करना चाहती है जिससे 2047 तक सौ गीगावाट परमाणु ऊर्जा के उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया जाए। इसी लक्ष्य पूर्ति के लिए सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाना चाहती है। इसीलिए 2024-25 के आम बजट में लघु परमाणु संयंत्रों के लिए सरकार ने बड़े बजट का प्रावधान किया था। इस क्षेत्र में नया प्रयोग करते हुए पहली बार निजी कंपनियों को लघु परमाणु संयंत्र समूचे देश में स्थापित करने का अवसर दिया जाएगा। कालांतर में विदेशी कंपनियों को भी परमाणु संयंत्र लगाने की अनुमति दी जा सकेगी। साथ ही मॉड्यूलर (प्रतिरूपक) रिएक्टर के आधुनिकीकरण के लिए शोध और विकास पर भी धनराशि खर्च की जाएगी। जिससे परमाणु ऊर्जा में नई प्रौद्योगिकी का विकास हो, इसे पीपीपी मॉडल पर क्रियांवित किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश में स्वच्छ एवं वैकल्पिक बिजली को बढ़ावा देना है। फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका यात्रा पर गए थे, तब भारत में छोटे परमाणु संयंत्र लगाने और भारत में ही उत्पादन करने का समझौता हुआ था। एआई के दौर में ऊर्जा की खपत असाधारण रूप से बढ़ने की उम्मीद है। यह एक कंप्यूटर की भाषा का कृत्रिम बुद्धि से जुड़ा मॉडल है। भाषा मॉडल ऐसे मशीन लर्निंग मॉडल हैं, जो मानव भाषा के पाठ को समझ सकते है और सृजित भी कर सकते हैं। ये मॉडल भाषा के बड़े डेटा भंडार का विश्लेषण करने पर भी सक्षम होते हैं। सुपर और क्वांटम कंप्यूटर में इसी एआई की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए परमाणु ऊर्जा की जरूरत लघु परमाणु संयंत्रों से ही संभव हैं। स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में इसे क्रांतिकारी पहल माना जा रहा है। विकसित भारत के लिए ऊर्जा की उपलब्धता एक बड़ी जरूरत है। इसलिए सरकार सिर्फ पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना चाहती है। ऑप्रेशन सिंदूर के बाद जिस तरह से हमारी सेना ने पाकिस्तान के आतंकी और गैर-सैन्य ठिकानों को ध्वस्त किया था, उन आयुधों के निर्माण और संचालन के लिए भी परमाणु ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। इस परिप्रेक्ष्य में सौर और पवन ऊर्जा पर सरकार पहले ही काफी कुछ कर चुकी है। अतएव अब फोकस परमाणु ऊर्जा पर केंद्रित है। क्योंकि इसमें संभावनाएं अधिक हैं। आम बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने ऊर्जा सुरक्षा को सरकार की नौ प्राथमिकताओं में गिनाया था। ऊर्जा बदलाव के संबंध में एक नीतिगत दस्तावेज तैयार करने की बात भी कही गई है। इससे यह तय होगा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में किस तरह से पारंपरिक ऊर्जा की जगह धीरे-धीरे अपारंपरिक ऊर्जा के स्रोत का महत्व बढ़ रहा है। यह दस्तावेज ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार, विकास और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों का भी समाधान खोजेगा। अतएव इसी परिप्रेक्ष्य में निकेल, कोबाल्ट, तांबा और लिथियम जैसी धातुओं के उत्पादों के आयात पर शुल्क घटाया है। इन उत्पादों का प्रयोग परमाणु और सौर ऊर्जा के साथ दूसरे ऊर्जा उत्सर्जन उपायों में भी होता है। आयात सस्ता होने से इनका निर्माण भारत में करने में आसानी होगी। यही नहीं परमाणु ऊर्जा, नवीनीकरण ऊर्जा और अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली 25 धातुओं पर सीमा शुल्क को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। यानी छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के रास्ते साफ किए जा रहे हैं। भारत में एक ओर अर्से से अटकी परमाणु बिजली परियोजनाओं में विद्युत का उत्पादन शुरू हो रहा है, वहीं निजी निवेश से परमाणु ऊर्जा बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गुजरात के सूरत जिले के तापी काकरापार में 22,500 करोड़ रुपए की लागत से बने 700-700 मेगावाट बिजली उत्पादन के दो परमाणु ऊर्जा संयंत्र 22 फरवरी 2024 को राष्ट्र को समर्पित कर दिए हैं। ये देश के पहले स्वदेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं। ये संयंत्र प्रतिवर्ष लगभग 10.4 अरब यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन करेंगे। जो गुजरात में बिजली की आपूर्ति के साथ अन्य प्रांतों को भी बिजली देंगे। ये संयंत्र शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में आगे बढ़ने की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होंगे। भारत सरकार के उपक्रम परमाणु ऊर्जा निगम ने मध्यप्रदेश में चार नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने की मंजूरी दी है। जल्दी ही ये संयंत्र नीमच, देवास, सिवनी और शिवपुरी में लगेंगे। सब कुछ सही रहा तो जल्दी ही इन परियोजनाओं पर काम शुरू हो जाएगा। इन संयंत्रों के शुरू हो जाने पर 1200 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली पैदा होगी। भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता पिछले 10 साल में करीब दोगुनी हो चुकी है। 2031 तक इसके तीन गुना होने की उम्मीद है। हालांकि परमाणु ऊर्जा से उत्पन्न खतरों की आशंकाएं भी एकदम बेबुनियाद नहीं हैं। इसलिए परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। रूस के चेर्नोबिल और जापान के फुकुशिमा परमाणु संयंत्र में हादसे के बाद इस तरह की चिंताएं जरूरी हैं। क्योंकि वैज्ञानिक प्रगतियों के बावजूद प्राकृतिक आपदाओं के सामने हम बौने हैं। जापान में महज दस सेकेंड के लिए आई सुनामी नामक विराट आपदा ने फुकुशिमा की वैज्ञानिक उपलब्धियों को चकनाचूर कर दिया था। सृष्टि को संजीवनी देने वाले तत्व हवा, पानी और अग्नि जब न्यूनतम मर्यादाओं की सीमा लांघकर भीषण विराटता रचते हैं तो दसों दिशाओं में सिर्फ और सिर्फ विनाशलीला का मंजर दिखाई देता है। इसलिए जरुरी है कि परमाणु रिएक्टर प्रदायक कंपनियों को कड़ी शर्तो के तहत मुआवजे के प्रावधान निर्धारित हों या फिर बीमा कंपनियों को दुर्घटना की स्थिति में क्षतिपूर्ति से जोड़ा जाए। परमाणु बिजली संयंत्रों में ग्रेफाइट मॉडरेट के रुप में प्रयोग होता है। जिसमें पानी की बहुत थोड़ी मात्रा विलय करने से हाइडोजन और ऑक्सीजन के विखण्डन के समय बहुत अधिक तापमान के साथ उर्जा निकलती है। इस उर्जा का दबाव टर्बाइन को तीव्रतम गति से घुमाने का काम करता है। नतीजतन बिजली उत्पन्न होती है। रिएक्टरों के इस उच्चतम तापमान को एक सेंटीग्रेट तक काबू में रखने के लिए रिएक्टरों पर ठंडे पानी की निरंतर प्रबल धाराएं छोड़ी जाती हैं। हालांकि प्राकृतिक अथवा अन्य आपदा की स्थिति में ये परमाणु संयंत्र अचूक कंप्यूटर प्रणाली से संचालित व नियंत्रित होने के कारण खुद-ब-खुद बंद हो जाते हैं। लेकिन इस अवस्था में विरोधाभासी स्थिति यह होती है कि जल से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का नाभिकीय विखण्डन तो थम जाता है, किंतु रासायनिक प्रक्रियाएं और भौतिक दबाव एकाएक नहीं थमते। गोया, जलधारा का प्रवाह बंद होते ही रिएक्टरों का तापमान 5000 डिग्री सेंटीग्रेट से बढ़कर 10000 डिग्री सेंटीग्रेड तक पंहुच जाता है। यह तापमान जीव-जंतुओं को तो क्या स्टील जैसी ठोस धातु को भी पल भर में गला देता है। इस लिहाज से इन संयंत्रों के संभावित खतरों को एकाएक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

प्रमोद भार्गव, लेखक/ पत्रकार

बदहाल यातायात व्यवस्था को लेकर एआरटीओ को सौंपा ज्ञापन

रामनगर (उद संवाददाता)। शहर की चरमराई यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने और जनता को रोजाना लगने वाले जाम से मुक्ति दिलाने के लिए नगर पालिका के सभासदों ने मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को करीब एक दर्जन सभासदों ने संयुक्त रूप से एआरटीओ प्रवर्तन रिशु तिवारी से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपकर अव्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की मांग की। सभासद तनुज दुर्गापाल ने शहर की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रामनगर में अनियंत्रित यातायात और जाम के कारण आम नागरिकों के साथ-साथ स्कूली बच्चों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से सभासदों ने मांग की है कि बाजार क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश के लिए समय सीमा निर्धारित की जाए ताकि भीड़भाड़

वाले समय में वाहनों का दबाव कम हो सके। साथ ही ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध सख्त चेकिंग अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। सभासदों ने मुख्य रूप से रामनगर सरकारी अस्पताल मार्ग पर बने मालधन प्राइवेट बस अड्डे का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अस्पताल मार्ग पर बस अड्डा होने के कारण वहां हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे एंबुलेंस और गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचने में अनावश्यक देरी होती है। सभासदों ने इस बस अड्डे को तत्काल शहर के बाहर किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एआरटीओ रिशु तिवारी ने सभासदों को आश्वस्त किया कि उठाए गए बिंदुओं पर प्राथमिकता से समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि भारी वाहनों के प्रवेश को नियंत्रित करने के लिए जल्द ही उप जिलाधिकारी और क्षेत्राधिकारी के साथ संयुक्त बैठक कर नई कार्ययोजना तैयार की जाएगी। एआरटीओ ने स्पष्ट किया कि शहर को जाम मुक्त करने के लिए प्रवर्तन टीम द्वारा ठोस कदम उठाए जाएंगे और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर सख्ती बरती जाएगी।

शोभायात्रा के साथ उत्तरायणी कौतिक का आगाज

लोक गायक जितेंद्र तोमक्याल और बिशन सिंह हरियाला की प्रस्तुतियों पर जमकर झूमे दर्शक

दिनेशपुर(उद संवाददाता)। क्षेत्र में उत्तरायणी पर्व का उल्लास चरम पर है। मंगलवार को दिनेशपुर और जयनगर में भव्य शोभायात्राओं और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ उत्तरायणी कौतिक का विधिवत शुभारंभ हुआ। लोक कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों और छोलिया नृत्य की थाप ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।दिनेशपुर में पर्वतीय जन मंगल सेवा समिति की ओर से गांधीनगर मोड़ पर आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों ने समां बांध दिया। कौतिक का शुभारंभ छोलिया नृत्य के साथ निकाली गई भव्य शोभायात्रा से हुआ, जो पूरे नगर में आकर्षण का केंद्र रही। मुख्य अतिथि खड़क सिंह कार्की, मेयर विकास शर्मा और नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का उद्घाटन किया। मंच पर विख्यात लोक गायक जितेंद्र तोमक्याल, बेबी प्रियंका, मनोज आर्या और किशन महिपाल की टीम ने 'बेडू पाको बारामासा' और 'हे मधु' जैसे लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति दी, जिस पर लोग झूम उठे। हास्य कलाकारों ने भी अपनी कला से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कावल सिंह, रवि सरकार, रेखा मेहता, बबली गोस्वामी और विक्रम मेहता सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।उधर, जयनगर में पर्वतीय युवा शक्ति समिति के बैनर तले उत्तरायणी महोत्सव पूरी भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अध्यक्ष भैरवनाथ टम्टा और रंदीप सिंह पोखरिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। महोत्सव में 'बारो मासा फिल्म प्रोडक्शन' और लोक गायक बिशन सिंह हरियाला की टीम ने कुमाऊनी और गढ़वाली लोक संस्कृति की बेहतरीन छटा बिखेरी। कलाकार आशा नेगी, नवीन पाठक, कल्पना सानी रावत और हास्य कलाकार हिना नेगी व शिबू रावत ने मंच पर शानदार प्रदर्शन कर लोगों का भरपूर मनोरंजन किया।इस अवसर पर अध्यक्ष कुंवर सिंह नेगी, महामंत्री धीरज कुमार, कोषाध्यक्ष ठाकुर सिंह, चंदन सिंह देव, सुरेश जोशी, पूरन सिंह मलवाल, भुवन चंद्र पांडे, करन मेहरा, ईश्वर सिंह, दीपक जोशी, कुंदन सिंह भंडारी, नरेश गुसाईं, प्रवीण सिंह राणा और कुंदन मेहता सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय जनता मौजूद रही। दोनों ही स्थानों पर पर्वतीय उत्पादों और व्यंजनों के स्टॉलों पर भीड़ देखी गई।

ढाबे में तोड़फोड़ करने पर दो के खिलाफ मुकदमा

सितारगंज।ढाबे में तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने तो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दड़हा फार्म निवासी बूटा सिंह पुत्र मोहर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उसका पंजाबी ढाबा रेस्टोरेंट न्यू बाईपास एचएस हॉस्पिटल के समीप हैं। वह भाई सुरेंद्र सिंह के साथ ढाबे में व्यापार करता हैं। आरोप है कि गांव का लवप्रीत सिंह, जश्नदीप सिंह निवासी जनता फार्म विवादित व्यक्ति हैं। दोनों ने उसे धमकाया हैं। जिसमें आरोपियों के खिलाफ धमकाने की धारा में केस दर्ज किया हैं। जिसको लेकर आरोपी उससे रंजिश रखते हैं। मारो भाई की 10 जनवरी को जश्नदीप और लवप्रीत सिंह उसके ढाबे पर आए और आरोपियों ने उसके ढाबे का गेट तोड़ दिया। आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पूरा प्रकरण सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

किसान सुखवंत सिंह के परिवार से मिले ठुकराल

रूद्रपुर/काशीपुर (उद संवाददाता)। रुद्रपुर के पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने काशीपुर पहुंचकर मृतक किसान सुखवंत सिंह के परिजनों से मुलाकात की और अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान उन्होंने सुखवंत सिंह की मृत्यु को एक गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण घटना करार देते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ा आक्रोश जताया। ठुकराल ने पीड़ित परिवार के साथ दुख साझा करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया और आश्वासन दिया कि इस कठिन समय में वे उनके साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाते हुए

कहा कि न्याय की इस लड़ाई में जब भी जरूरत होगी, वे तत्काल उनके पास पहुंचेंगे और हर संभव मदद सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस मामले में सुखवंत सिंह ने भू-माफियाओं और पुलिस की निरंतर प्रताड़ना से तंग आकर आत्मघाती कदम उठाया है, जो प्रशासन और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पूर्व विधायक ने इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय सीबीआई जांच कराने की मांग शासन से की ।उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य आत्महत्या नहीं बल्कि व्यवस्थाओं द्वारा किया गया उत्पीड़न है, जिसने एक किसान को जान देने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इस संगीन मामले में शामिल दोषियों और उन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारियों के खिलाफ जब तक सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। ठुकराल ने मांग की कि दोषी भू-माफियाओं और लापरवाह पुलिसकर्मियों को तत्काल सलाखों के पीछे भेजा जाए ताकि पीड़ित परिवार को वास्तविक न्याय मिल सके।

पेज एक का शेष...

अंतिम व्यक्ति को मुख्य धारा से जोड़ने....बस स्टैंड का शुभारंभ करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। ये अवसर मेरे लिए इसलिए भी विशेष महत्व रखता है, क्योंकि खटीमा से विधायक रहते हुए मैंने इस बस स्टैंड की स्थापना के लिए हर संभव प्रयास किए थे और इसकी घोषणा भी की थी। लेकिन, मेरे यहाँ से विधायक रहते हुए इस बस स्टैंड का कार्य पूर्ण नहीं हो सका था, परन्तु मेरा सौभाग्य है कि आज प्रदेश के मुख्यसेवक के रूप में मुझे इसका शुभारंभ करने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में मैंने नानकमत्ता में आयोजित जनजाति गौरव दिवस समारोह में खटीमा बस स्टैंड का नाम महाराणा प्रताप के नाम पर करने की घोषणा की थी। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि आज हम इस बस स्टैंड में 'महाराणा प्रताप द्वार' के निर्माण कार्य का शिलान्यास भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह नवनिर्मित बस स्टैंड न केवल क्षेत्र की परिवहन व्यवस्था को और अधिक सुगम और सुव्यवस्थित बनाएगा, बल्कि स्थानीय व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर सृजित कर क्षेत्र के विकास को भी गति प्रदान करेगा। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में हमारा राज्य विकास और समृद्धि के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज जहां हम शहरों से लेकर सुदूर पर्वतीय गाँवों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बना रहे हैं। वहीं, 'अंत्योदय' के मूलमंत्र के साथ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भी संकल्पित होकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खटीमा मेरा घर है और आप सभी मेरे परिवार के सदस्य हैं, यहीं से मैंने जनसेवा की यात्रा आरंभ की थी। इस क्षेत्र की प्रत्येक गली और गाँव मेरे दिल के बेहद करीब है। खटीमा की माटी और यहाँ के लोगों से मुझे जो ऊर्जा और प्रेरणा मिली है, उसी के बल पर मैं, प्रदेश के विकास के लिए कार्य कर पा रहा हूँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार खटीमा के समग्र विकास और यहाँ के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न विकास परियोजनाओं के माध्यम से निरंतर प्रयासरत हैं। हमने एक ओर जहां क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए गदरपुर-खटीमा बाईपास और नौसर में पुल का निर्माण कराया है, वहीं पूरे क्षेत्र में सड़कों के व्यापक नेटवर्क का विकास भी सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि हमने खटीमा में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना करने के साथ-साथ चकरपुर में राष्ट्रीय स्तर के आधुनिक खेल स्टेडियम का निर्माण भी कराया है। इसके अलावा, हमने जहां एक ओर खटीमा में आधुनिक आईटीआई और पॉलीटेक्निक कॉलेज तथा 100 बेड के नए अस्पताल परिसर का निर्माण कर बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया है। वहीं, विद्यार्थियों के लिए ष्साथी केंद्रष की स्थापना करने के साथ ही औद्योगिक विकास को गति देने लिए सिडकुल की स्थापना भी की गई है। उन्होंने कहा कि हम खटीमा और टनकपुर के बीच एक भव्य सैन्य स्मारक भी बनाने जा रहे हैं, जिस पर जल्द ही कार्य प्रारंभ हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार पंतनगर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे के निर्माण के लिए भी संकल्पित है, जिस पर शीघ्र ही कार्य प्रारंभ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने एक ओर जहां राजकीय महाविद्यालय खटीमा में एमकॉम और एमएससी की कक्षाएं शुरू कराई, वहीं जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में एकलव्य विद्यालय का संचालन भी प्रारंभ किया। इसके अतिरिक्त, हम जहां एक ओर जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना का निर्माण पुनः प्रारंभ कर पूरे तराई क्षेत्र की पेयजल और सिंचाई की समस्या का समाधान करने की दिशा में कार्य कर रहे है। वहीं, क्षेत्र के लोगों को उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एम्स के सेटेलाइट सेंटर की स्थापना करने के साथ-साथ खुरपिया में इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी के माध्यम से इस पूरे क्षेत्र के विकास को गति देने का प्रयास भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगे भी खटीमा के विकास में कोई कमी नहीं आने दिया जायेगा। हमने प्रदेश में हो रहे सुनियोजित लैंड जिहाद पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 10 हजार एकड़ से अधिक की सरकारी भूमि को लैंड जिहादियों से मुक्त कराया है।उन्होंने कहा कि हमनें 550 के करीब अवैध मजारों को ध्वस्त किया है, वहीं वन भूमि पर अतिक्रमण करके बनाई गई अवैध मस्जिदों को भी हटाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रदेश में दंगों की राजनीति करने वालों को सबक सिखाने के लिए एक सख्त दंगारोधी कानून बनाकर दंगों में होने वाले नुकसान की भरपाई भी दंगाईयों से ही करने का काम किया। इसके अलावा, हाल ही में हमारी सरकार ने राज्य में नया कानून लागू कर मदरसा बोर्ड को भी समाप्त करने का निर्णय लिया है। इस कानून के लागू होने के पश्चात 1 जुलाई 2026 के बाद उत्तराखंड में केवल वही मदरसे संचालित हो पाएंगे, जिनमें हमारे सरकारी बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य में अवैध रूप से संचालित लगभग 250 से अधिक मदरसों को भी बंद करवाया है। हमारा प्रयास है कि राज्य में शिक्षा के मंदिर स्थापित हों, जहां तय मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाए, न कि शिक्षा के नाम पर बच्चों को अलगाववादी मानसिकता की ओर धकेला जाए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य में सनातन संस्कृति को बदनाम करने वाले पाखंडियों के विरुद्ध भी ष्ऑपरेशन कालनेमिष के माध्यम से भी सख्त कार्रवाई कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने ही भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाने और नकल माफियाओं पर अंकुश लगाने के लिए देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया। इसी का परिणाम है कि पिछले साढ़े 4 वर्षों में राज्य के लगभग 27 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी प्राप्त हुई है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस कानून के लागू होने के बाद हमने बीते 4 वर्षों में 100 से अधिक नकल माफियाओं को सलाखों के पीछे पहुंचाया है, जिन्होंने पूर्व की सरकारों के समय उत्तराखंड में नकल को एक उद्योग बना दिया था। उन्होंने कहा कि हमने समाज में व्याप्त असमानताओं को समाप्त करने तथा सभी के लिए समान अधिकार एवं न्याय सुनिश्चित करने के लिए देश में सबसे पहले 'समान नागरिक संहिता' कानून को लागू करने का साहसिक कार्य भी किया है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश हमारी देवभूमि है इसकी संस्कृति, अस्मिता और सम्मान के साथ हम किसी भी प्रकार का कोई षड्यंत्र बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारी सरकार देवभूमि उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने षविकल्प रहित संकल्पष को पूर्ण करने हेतु निरंतर प्रयास कर रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे इस संकल्प को साकार करने हेतु खटीमा के मेरे आप सभी परिवारजन इसी प्रकार हमारी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपना योगदान देते रहेंगे। कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए सांसद अजय भट्ट एवं पूर्व विधायक डॉ प्रेम सिंह राणा ने नवनिर्मित बस अड्डे के लोकार्पण पर सभी क्षेत्रवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा की यह बस अड्डा निर्माण माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का ड्रीम प्रोजेक्ट था। उन्होंने नवनिर्मित हाईटेक बस अड्डे का का नाम महाराणा प्रताप रखने पर मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा की माननीय मुख्यमंत्री श्री धामी के कार्यों व निर्णयों को देश के अन्य राज्य भी अनुशरण कर रहे है यह हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री क्षेत्र व प्रदेश के सर्वागींण विकास के लिए कटिबद्ध है।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, विधायक शिव अरोरा,नगर पालिका अध्यक्ष खटीमा रामेश चंद्र जोशी,नगर पंचायत अध्यक्ष नानकमत्ता प्रेम सिंह टूरना , दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू,फरजाना बेगम,मंजीत सिंह,जिलाध्यक कमल जिन्दल, महामंत्री रमेश जोशी,पूर्व मंडी अध्यक्ष नंदन सिंह खड़ायत,पूर्व अध्यक्ष सहकारी बैंक दान सिंह रावत,जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, अपर सचिव परिवहन रीना जोशी,वी सी जय किशन, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी, अपर जिलाधिकारी/सचिव विकास प्राधिकरण पंकज उपाध्याय, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ उत्तम सिंह नेगी,सीएमओ डॉ के के अग्रवाल,सहित अनेक जनप्रतिनिधि व भारी संख्या में मेलार्थी मौजूद थे।

जनता के अभूतपूर्व स्वागत....प्यार को देखकर सीएम धामी भी उनके बीच पहुंच गए और हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन स्वीकार किया। आयोजन स्थल पर इतनी भीड़ उमड़ी कि कई बार व्यवस्था संभालने में अतिरिक्त प्रयास करने पड़े। लोकार्पण के इस अवसर पर महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की भारी उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्यता और ऐतिहासिकता प्रदान की। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, ऊर्जा और स्वागत की अद्‌भुत तस्वीरें देखने को मिलीं, जिसने यह साबित कर दिया कि खटीमा में मुख्यमंत्री धामी के प्रति लोगों का स्नेह और समर्थन आज पहले से ज्यादा हो गया है।

जीवन को लाभ वास्तु शास्त्र से नहीं स्वयं को बदलने से संभवः हरि चैतन्यपुरी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर व संत श्री श्री 1008 स्वामी श्री हरि चौतन्य पुरी जी महाराज ने यहां उपस्थित भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि रोग, शोक, भय, चिंता, अशांति आदि के कारण खोज कर दूर करो तो उपाय निष्फल नहीं होंगे। आज वास्तु शास्त्र के बढ़ते प्रचलन के बारे में कहा कि लोग आज वास्तु के अनुसार तोड़फोड़ कर मकान की दिशा बदलते हैं, लाभ तो स्वयं को बदलने से ही होगा। उन्होने परिवार, नगर, राष्ट्र व समाज में आपस में मिलजुल कर प्रेम, एकता व सद्‌भाव को बनाए रखने में बनाए रखने व बढ़ावा देने पर बल दिया।

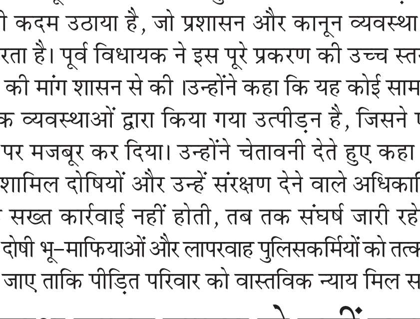

उन्होंने कहा कि मानव मन को धर्म व अध्यात्म से ही नियंत्रित किया जा सकता है। हमें समाज को बदलने के लिए लोगों की दृष्टि बदलने की आवश्यकता है। किसी को सुधारने से पहले स्वयं को सुधारना चाहिए । अपने धाराप्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध व भावविभोर कर दिया। सारा वातावरण भक्तिमय हो गया व "श्री गुरु महाराज, कामां के कन्हैया व लाठी वाले भैय्या " की जय जयकार से गूंज उठा।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर ;उत्तराखण्डद्धसे मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

रुद्रपुर में लोहड़ी उत्सव की धूम, विधायक ने भांगड़ा कर जीता दिल

हजारों की भीड़, पंजाबी संस्कृति की रंगत में सराबोर रहा सिटी क्लब

रुद्रपुर। सिटी क्लब में मंगलवार को आयोजित लोहड़ी महोत्सव पंजाबियत की रंगत और उल्लास से भर गया। लोहड़ी उत्सव आयोजन समिति के तत्वावधान में विधायक शिव अरोरा के मार्गदर्शन से हुए इस भव्य आयोजन में समाज के हर वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विधायक शिव अरोरा ने आगमन पर जनता का अभिवादन किया और सभी को लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं दीं। विधायक अरोरा ने कहा कि रुद्रपुर को मिनी पंजाब कहा जाता है, जहां हर समाज आपस में प्रेम और सद्भाव की मिसाल पेश करता है। सिटी क्लब में आयोजित लोहड़ी महोत्सव का लोगों ने खूब आनंद उठाया। काफी संख्या में पहुंचे लोग इस बात का प्रमाण हैं कि रुद्रपुर में पंजाबी संस्कृति की रौनक और समरसता कितनी गहरी है। उन्होंने कहा कि लोहड़ी खुशहाली और भाईचारे का पर्व है, जिसे यहां हर समुदाय मिलकर मनाता है। 3 बजे से शुरू हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम देर शाम तक चलते रहे। शाम 6:00 बजे के आसपास लोहड़ी प्रज्वलन मंत्रोच्चारण एवं अरदास के बाद पूर्ण विधि-विधान से किया गया। इसके बाद माहौल भक्तिमय और उत्सवी रंगों में डूब गया। मक्के की रोटी, सरसों का साग, मूंगफली, रेवड़ी और पंजाबी व्यंजनों की महक ने कार्यक्रम को और आकर्षक बनाया। भंगड़ा टीम रणजीत अखाड़ा का गतका प्रदर्शन और पंजाबी गीतों ने माहौल को और अधिक जीवंत कर दिया। वहीं गुरपेज सिंह बाजवा एंड पार्टी अमृतसर द्वारा प्रस्तुत भांगड़ा व लोकनृत्य से सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। विधायक शिव अरोरा भी स्वयं पंजाबी गानों पर झूम उठे और जमकर भांगड़ा किया। उपस्थित लोगों ने उनका उत्साहवर्धन किया और खूब तालियां बजाईं। उन्होंने कहा कि रुद्रपुर लघु भारत की अनूठी झांकी है, जहां हर धर्म और हर समाज के पर्व उसी भव्यता के साथ मनाए जाते हैं। लोहड़ी की यह धूम इसी आपसी एकता की पहचान है। आयोजन समिति ने बताया कि विधायक द्वारा की गई अपील का असर रहा और अपेक्षा से कहीं अधिक संख्या में लोग शामिल हुए। समिति ने सभी रुद्रपुरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी तरह बड़े स्तर पर लोहड़ी आयोजन करने का संकल्प दोहराया। लोहड़ी उत्सव में दर्जा राज्य मंत्री, फरजाना बेगम, रोहताश बत्रा, डॉक्टर दीपक छाबड़ा, डॉक्टर प्रदीप अदलखा, नरेंद्र अरोड़ा, सुनील ठुकराल, हरीश जल्होत्रा, गुरदीप गाबा, प्रीत ग्रोवर, महेश बब्बर, विजय विरमानी, गुंजन सुखीजा, ज्योति ग्रोवर, सुखदेव भल्ला, पंकज बांगा, मनीष गगनेजा, राजेश डाबर, मनोज गुम्बर, राजकुमार साह, मनोज मित्तल, किरण विर्क, जगदीश विश्वास, रोनिक नारंग, गुरबाज दुमरा, राजेश बजाज, उपेंद्र चौधरी, तरुण दत्ता, सुरेश कोली, मुकेश पाल, जीतेन्द्र संधू, कांवल सिंह, मनोज गुम्बर, अमरीक सिंह, डा. रवि फुटेला, डा. सोनिया अदलखा, सुरमुख सिंह विर्क, बिट्टू ग्रोवर, नरेश ग्रोवर, राम सिंह बेदी, जसविन्दर सिंह खरबंदा, धीरेन्द्र मिश्रा, जेबी सिंह, गौरव अग्रवाल, मनोज छाबड़ा, संदीप राव, मनमोहन वाधवा, अनमोल विर्क, मयंक कक्कड़, मनोज मदान, विपुल पासरीचा, उमेश पसरीचा, अर्चना राय, स्वाति साह, शालिनी गोयल, ममता त्रिपाठी, बंलवंत अरोरा, अशोक छावड़ा, शक्ति बठला, अजमेर सिंह, डा. मनमोहन सिंह, पूर्वी गुप्ता, डॉ. सीमा अरोरा, विजय गिरधर, गुरविन्दर सिंह, सुरेश गौरी, एसके नैयर, यशपाल घई, राजकुमार खनिजो, शिवकुमार अग्रवाल, शौर्य अरोरा, मानिक अरोरा, आकांक्षा, संगीता बोगा, रेनू अरोरा, प्रियंका, शैली, अमित जैन, गोविन्द राय, दिलीप अधिकारी, मोहित चड्डा, शानू पाल, ममता नारंग, रीना मलिक, सीमा अरोरा, वनीता, गीता गुप्ता, गौरव ग्रोवर पोपू, ताराचन्द अग्रवाल, नरेन्द्र अग्रवाल, गुरनाम सिंह चावला, विक्रम खन्ना, जगदीश टंडन, रश्मि रस्तोगी, नीता शर्मा, अंशु मंजाल, लीलावती, मनप्रीत कौर, अन्नू बिष्ट, जरनैल सिंह काली, गौरव अरोरा, कैलाश पाठक, विनोद भट्ट, दुर्गा सिंह राणा, अमित अरोरा, रमेश कन्याल, राजेश पप्पल सहित हजारों लोग मौजूद रहे। इस दौरानरुद्रपुर में आयोजित यह लोहड़ी महोत्सव सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और अद्भुत जनभागीदारी के कारण लंबे समय तक शहर की स्मृतियों में दर्ज रहेगा।

उत्सव ने दिलाई 'लोहड़ी मेला' की यादें

रुद्रपुर। सिटी क्लब में आयोजित लोहड़ी उत्सव के आयोजन ने बीते दौर की सांस्कृतिक धरोहर 'लोहड़ी मेला' की यादों को भी तरोताजा कर गया। विधायक शिव

अरोरा के नेतृत्व में लोहड़ी उत्सव आयोजन समिति द्वारा किए गए इस कार्यक्रम ने उत्तरांचल पंजाबी महासभा द्वारा पूर्व में मनाए जाने वाले भव्य लोहड़ी मेलों की यादें फिर से जगा दीं। कार्यक्रम में पहुंचे लोगों ने बताया कि उत्तरांचल पंजाबी महासभा के पूर्व अध्यक्ष बंशीधर गुंबर के नेतृत्व में वर्ष 2016 से लगातार तीन वर्षों तक आयोजित हुए भव्य लोहड़ी मेले ने पंजाबी समाज को एक नई पहचान दी थी। इन मेलों ने न केवल पंजाबी समाज को एकजुट किया, बल्कि शहर में सांस्कृतिक गतिविधियों की नई पहचान भी स्थापित की थी। उसके बाद उत्तरांचल पंजाबी महासभा में धीरे धीरे फूट पड़ती गई। पदाधिकारी बदलने और नए दायित्वों के आने के बाद लोहड़ी मेला का आयोजन धीरे-धीरे फीका पड़ता गया और उसके बाद वर्षों से चली आ रही मेले की यह परंपरा ठहर सी गई। लेकिन 13 जनवरी को सिटी क्लब में हुए लोहड़ी उत्सव ने लोगों को वह पुराना उत्साह और वही सांस्कृतिक महक फिर महसूस करा दी। लोहड़ी उत्सव में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और पंजाबी समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने पारंपरिक गीतों पर डांस कर लोहड़ी का आनंद लिया और इस बात की इच्छा जताई कि 'लोहड़ी मेला' की परंपरा को फिर से जीवित किया जाए। सिटी क्लब आयोजित लोहड़ी उत्सव देर शाम तक गीत-संगीत, नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सामूहिक उत्साह के साथ चलता रहा, जिसने लोगों के दिल में एक बार फिर 'लोहड़ी मेला' की मधुर स्मृतियों को जगा दिया।

जनता के बीच चर्चा, लोहड़ी की रौनक या चुनावी गर्मी?

लोहड़ी के बहाने पंजाबी समाज से नजदीकियां, रुद्रपुर में विधायक अरोरा की बढ़ती सक्रियता

रुद्रपुर। सिटी क्लब में आयोजित भव्य लोहड़ी महोत्सव ने न सिर्फ शहर को पंजाबियत की रौनक से भर दिया, बल्कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिहाज से राजनीतिक हलकों में भी नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। रुद्रपुर से भाजपा विधायक शिव अरोरा द्वारा आयोजित यह लोहड़ी उत्सव राजनीतिक नजरिए से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि पहली बार विधायक द्वारा इतने बड़े स्तर पर लोहड़ी आयोजन कराना पंजाबी समाज को साधने की उनकी रणनीति का हिस्सा है। रुद्रपुर को मिनी पंजाब कहा जाता है और यहां पंजाबी मतदाता हमेशा से ही चुनावी समीकरणों में निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। ऐसे में विधायक अरोरा का पंजाबी संस्कृति पर आधारित भव्य लोहड़ी उत्सव आयोजित करवाना आगामी चुनावों की दिशा में एक बड़ी तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। बताया जाता है कि विधायक शिव अरोरा ने स्वयं कई परिवारों को फोन कर कार्यक्रम में आने का आमंत्रण दिया था, जिससे यह

साफ संकेत मिल रहा है कि आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए वह पंजाबी समाज से नजदीकियां बढ़ाने में जुटे हैं।लोहड़ी के अवसर पर सिटी क्लब में भारी भीड़ उमड़ी और पंजाबी समाज के लोगों ने विधायक को शुभकामनाएं दीं। हर वर्ग के लोग कार्यक्रम में शामिल हुए, लोगों की मौजूदगी और उत्साह राजनीतिक विश्लेषकों के लिए खास चर्चा का विषय बना रहा। कई लोगों का कहना है कि रुद्रपुर विधानसभा में पंजाबी मतदाता एक बड़ी ताकत हैं और विधायक की यह सक्रियता चुनावी तैयारी की स्पष्ट झलक दिखा रही है। कार्यक्रम में जहां पंजाब की भंगड़ा टीम, रणजीत अखाड़ा का गतका और पंजाबी व्यंजनों की छटा ने उत्सव को भव्य बनाया, वहीं मंच पर विधायक अरोरा का पंजाबी गानों पर झूमना और भांगड़ा करना लोगों से नजदीकी बढ़ाने की एक कोशिश के रूप में देखा गया। उनकी ओर से समाज के प्रति जताया गया स्नेह और स्वागत सत्कार भी इसी राजनीतिक संदेश को मजबूत करता दिखाई दिया राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले इस तरह के कार्यक्रमों द्वारा सामाजिक जुड़ाव बढ़ाना और जनता को साधना चुनावी रणनीति का हिस्सा है। रुद्रपुर जैसे विविधता वाले शहर में पंजाबी समाज को साथ रखना किसी भी प्रत्याशी के लिए निर्णायक साबित हो सकता है।हालांकि आयोजन समिति व विधायक अरोरा ने इसे सांस्कृतिक उत्सव बताया और कहा कि लोहड़ी भाईचारे, समरसता और खुशहाली का पर्व है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे 2027 की तैयारी का संकेत माना जा रहा है। रुद्रपुर में यह लोहड़ी महोत्सव जहां सांस्कृतिक भव्यता का प्रतीक रहा, वहीं राजनीतिक दृष्टि से भी आगामी भूमिका तैयार करता नजर आया।